वर्ष-10, अंक-209
इन्दौर, शुक्रवार
25 अक्टूबर 2024
पृष्ठ 8, मूल्य 2 रु.

दैनिक
राष्ट्रीय जनभावना

RNI-MPHIN/2013/53761

चाणक्य नीति

चाणक्य कहते हैं कि अधिक लाड़ प्यार करने से बच्चों में अनेक दोष उत्पन्न हो जाते हैं। इसलिए यदि वे कोई गलत काम करते हैं तो उसे नजरअंदाज करके लाड़-प्यार करना उचित नहीं है। बच्चे को डाँटना भी आवश्यक है। -चाणक्य

इन्दौर प्रधान संपादकः सुनील वर्मा मो.: 9425491979, 7000877686, E-mail: janbhavna.ind@gmail.com

'घड़ी सिम्बल' अजित गुट के पास रहेगा: सुप्रीमकोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले शरद पवार को सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा है. अजित पवार को घड़ी चुनाव चिह्न का इस्तेमाल करने से रोकने की मांग को सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल कोई आदेश नहीं दिया. एनसीपी (शरद पवार) ने दो अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर चुनाव चिह्न घड़ी के इस्तेमाल पर रोक लगाने की मांग की थी. सर्वोच्च अदालत ने हालांकि कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि दोनों पक्ष हमारे निर्देशों का पालन कर रहे हैं. अपने लिए शर्मनाक स्थिति पैदा न करें, यदि हम पाते हैं कि जानबूझकर हमारे आदेश का उल्लंघन करने का प्रयास किया गया है, तो हम स्वत: संज्ञान लेकर अवमानना शुरू कर सकते हैं. इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने अजित पवार से हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है.

अजित को हलफनामा देने का निर्देश

जस्टिस कांत ने कहा कि अजित पवार हलफनामा दें कि वह 19 मार्च और 4 अप्रैल को आए हमारे आदेश का पालन कर रहे हैं. इस मामले में अगल सुनवाई 6 नवंबर को होगी. चुनाव आयोग ने अजित पवार की एनसीपी को असली ठहरा कर पार्टी का चिह्न (घड़ी) इस्तेमाल करने का अधिकार दिया था.

डिस्क्लेमर के साथ घड़ी चिह्न का करना होगा इस्तेमाल

अजित पवार से कहा गया था कि घड़ी चिह्न के साथ यह लिखें (डिस्क्लेमर) कि मामला अभी कोर्ट में विचाराधीन है. सिंघवी ने दावा किया कि अजित गुट ने इस आदेश का सही तरीके से पालन नहीं किया. लोग घड़ी चिह्न को शरद पवार से पहचानते हैं, जिसका इस्तेमाल बिना डिस्क्लेमर के किया जा रहा है. अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि अजित पवार कोर्ट के आदेश के मुताबिक डिस्क्लेमर नहीं लगाया. हमने कोर्ट को तस्वीरें सौंपी हैं, अब इन्हें इसकी सजा मिलनी चाहिए. इस पर अजित पवार के वकील बलबीर सिंह ने कहा कि इन्हें कुछ तो जिम्मेदारी दिखानी चाहिए. कोर्ट में गलत तस्वीरें पेश की जा रही हैं. एक-दो मामले में टेंट हाउस वाले की गलती हो सकती है.

चक्रवात दाना के चलते बंगाल और ओडिशा हाई अलर्ट पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। बंगाल और ओडिशा के तटों पर चक्रवात दाना के 25 अक्टूबर के बीच टकराने की आशंका के चलते दोनों राज्य हाई अलर्ट पर हैं। भारतीय तटरक्षक बल और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) किसी भी आपातकालीन स्थिति के लिए अपने जहाजों और विमानों के साथ तैनात है। तटीय क्षेत्रों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। भुवनेश्वर स्थित बीजू पटनायक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गुरुवार शाम से उड़ानों का परिचालन 16 घंटों के लिए निलंबित किया गया है।

चक्रवाती तूफान 'दाना' उत्तर-उत्तर पश्चिम की ओर बढ़ा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। चक्रवाती तूफान दाना के आज और कल में ओडिशा के तट से टकराने की आशंका है। इसे देखते हुए राष्ट्रीय आपदा अनुक्रिया बल (एनडीआरएफ) ने ओडिशा, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, झारखंड और छत्तीसगढ़ में कुल 56 टीमों को तैनात किया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने चक्रवात दाना को लेकर चेतावनी जारी की है, जिसके चलते इन राज्यों में भारी बारिश और बाढ़ की आशंका है। चक्रवात की तीव्रता को देखते हुए प्रभावित इलाकों में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने का काम जारी है। मध्य और समीपवर्ती उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के ऊपर भीषण चक्रवाती तूफान दाना पिछले 6 घंटों के दौरान 12 किमी प्रति घंटे की गति के साथ उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ गया है। यह स्थिति गुरुवार 24 अक्टूबर सुबह 6 बजे की बताई गई है। एनडीआरएफ के उप महानिरीक्षक (संचालन) मोहसिन शाहेदी ने बताया कि बल की टीमें पेड़ और खंभे काटने के उपकरण, नावें, प्राथमिक चिकित्सा किट और बाढ़ बचाव के अन्य उपकरणों से लैस है।

फिसल गया शेयर बाजार

मुंबई (एजेंसी)। विश्व बजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर एफएमसीजी, दूरसंचार, आईटी, रियल्टी और टेक समेत ग्यारह समूहों में हुई बिकवाली से आज शेयर बाजार लगातार चौथे दिन फिसलकर बंद हुआ।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 16.82 अंक फिसलकर 80,065.16 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 36.10 अंक उतरकर 24,399.40 अंक पर आ गया। इस दौरान बीएसई की दिग्गज कंपनियों में भी बिकवाली का दबाव रहा।

ये क्या हुआ: उद्धव ठाकरे को सुनाकर पार्टी छोड़ गए बड़े नेता

मुंबई (एजेंसी)। बंजारा समुदाय के बड़े नेता माने जाने वाले महंत सुनील महाराज ने शिवसेना (यूबीटी) को अलविदा कह दिया है। पार्टी छोड़ते हुए उन्होंने उद्धव ठाकरे पर समय नहीं देने के आरोप लगाए हैं। पोहरादेवी मंदिर के महंत सुनील महाराज ने शिवसेना (यूबीटी) छोड़ दी है। उनका कहना है कि पिछले 10 महीनों में उद्धव ने मिलने के लिए 10 मिनट का भी समय नहीं दिया है। चुनाव से कुछ हफ्तों पहले दल छोड़ने उद्धव सेना के लिए बड़ा झटका साबित हो सकता है, क्योंकि यवतमाल वाशिम जिलों में बंजारा समुदाय की पकड़ मजबूत है। वहीं, समुदाय की राज्य के कई अन्य हिस्सों में भी मौजूदगी है। 30 सितंबर 2022 को महाराज ने मातोश्री पहुंचकर उद्धव सेना का दामन थामा था। इसके बाद वंचित बहुजन अघाड़ी से बंजारा समुदाय के बड़े नेता माने जाने वाले रविकांत राठौड़ भी शिवसेना (यूबीटी) में शामिल हो गए थे।

डालमिया बाग में पेड़ काटा

बिल्डर समेत 31 लोगों को जेल

मथुरा, (एजेंसी)। वृंदावन के छटीकरा मार्ग स्थित डालमिया बाग में अवैध रूप से 454 हरे पेड़ काटने के मामले में बिल्डर शंकर सेठ समेत 31 लोगों को जेल भेज दिया गया है। इन सभी की अंतरिम जमानत अर्जी को एसीजेएम प्रथम सोनिका वर्मा की अदालत ने बुधवार को खारिज कर दिया था। इस मामले में जेसीबी और पोकलैन चालकों सहित मजदूर भी शामिल थे। वन्य जीवों की मौत और पर्यावरण को हुए भारी नुकसान के बाद यह कार्रवाई की गई। जानकारी अनुसार वन विभाग ने 19 सितंबर को इस मामले में मुकदमा दर्ज किया था, जिसमें बिल्डर शंकर सेठ और उनके सहयोगियों के खिलाफ सख्त कदम उठाए गए हैं। अब तक 42 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिनमें से 11 लोग अभी भी फरार बताए गए हैं। न्यायालय ने उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी कर दिए हैं। वन विभाग ने पेड़ों की कटाई से जुड़े आरोपियों की जमानत अर्जी खारिज करवाने के लिए अदालत में याचिका दायर की थी, जिस पर जमानत याचिका खारिज कर दी गई।

एबटाबाद में खुली आतंक की फैक्ट्री

एबटाबाद, (एजेंसी)। पाकिस्तान ने भारत के लिए एक नया संकट खड़ा कर दिया है। एबटाबाद में आतंकी सेंटर खोलकर यहां जल और थल में युद्ध करने की ट्रेनिंग दी जा रही है। खुफिया रिपोर्ट में यह दावा किया गया है कि उसी एबटाबाद में, जहां ओसामा बिन लादेन को पनाह दी गई थी और जिसे 2011 में अमेरिकी सील कमांडो ने खत्म किया था, अब नए आतंकियों का भर्ती और ट्रेनिंग केंद्र स्थापित किया गया है। ट्रेनिंग सेंटर की खासियत यह है कि यह पाकिस्तान सेना के बेस कैंप के पास स्थित है, जिससे इसे सुरक्षित माना जाता है। यहां तक कि बाहरी व्यक्ति की एंट्री भी तभी हो सकती है जब सेना खुद उसे अनुमति दे। रिपोर्ट में इस बात की चिंता जताई गई है कि इस ट्रेनिंग से तैयार हो रहे आतंकी आने वाले समय में भारत के लिए गंभीर खतरा साबित हो सकते हैं। यह खुलासा भारत के लिए सतर्कता और सुरक्षा के दृष्टिकोण से बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि इन आतंकियों की रणनीतिक और युद्ध क्षमता भारत की सुरक्षा के लिए एक बड़ा संकट बन सकती है। रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के एक जनरल की निगरानी में यह आतंकी ट्रेनिंग कैंप चल रहा है। यहां आतंकियों को जमीनी लड़ाई से लेकर पानी में युद्ध करने तक का विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसमें पाकिस्तान की सेना के उच्च अधिकारी और आईएसआई के अधिकारी खुद पहुंचकर नए आतंकियों में जोश भर रहे हैं। इसके अलावा, हिज्बुल मुजाहिदीन, जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा जैसे आतंकी संगठनों के प्रमुख आतंकवादी भी नियमित रूप से यहां आकर घुसपैठ और हथियारों की ट्रेनिंग दे रहे हैं।

अंकारा के आतंकी हमले में 10 की मौत

अंकारा (एजेंसी)। तुर्की की राजधानी अंकारा में बुधवार को तुर्की एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज के मुख्यालय पर एक बड़े आतंकी हमले में 10 लोगों की मौत हो गई। हमले को तीन आतंकवादियों ने अंजाम दिया, जिनमें एक महिला आतंकी भी शामिल थी। तुर्की के सुरक्षाबलों ने तत्परता दिखाते हुए तुरंत कार्रवाई की और दो आतंकियों को मौके पर ही मार गिराया। इसके बाद तुर्की की वायु सेना ने तेजी से जवाबी कार्रवाई करते हुए इराक और सीरिया में कुर्दिश आतंकवादी ठिकानों पर बड़े पैमाने पर हवाई हमले किए। इन हमलों में 30 से अधिक ठिकानों को नष्ट कर दिया गया, और 5 आतंकवादियों के मारे जाने की खबर है। तुर्की के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि इन हमलों के जरिए आतंकवादियों को कड़ा संदेश दिया गया है।

कोर्ट में धमाका, जवान घायल

जम्मू, (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के बारामूला में एक कोर्ट परिसर के अंदर विस्फोट होने की खबर निकल कर आ रही है। यह धमाका कार्ट परिसर स्थित मालखाना में रखे ग्रेनेड के फटने से हुआ है। इस घटना में एक पुलिसकर्मी घायल हुआ है। धमाके के बाद कोर्ट परिसर में अफरातफरी मच गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी अनुसार, गुरुवार करीब 1 बजकर 5 मिनट पर बारामूला कोर्ट परिसर स्थित मालखाना में गलती से ग्रेनेड फट गया। इस घटना में ड्यूटी पर तैनात एक जवान के घायल होने की खबर है। धमाके के बाद कोर्ट परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। धमाके को लेकर क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं आम हो गई। ऐसे में पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि इस धमाके को लेकर अफवाहों पर ध्यान न दें। धमाका मालखाने में रखे ग्रेनेड के गलती से फटने के कारण हुआ है।

सैंटियागो। चिली की राजधानी में एक स्कूल के अंदर विस्फोटक उपकरणों के इस्तेमाल के कारण हुए विस्फोट में कम से कम 35 छात्र घायल हो गए, जिनमें से चार की हालत गंभीर है।

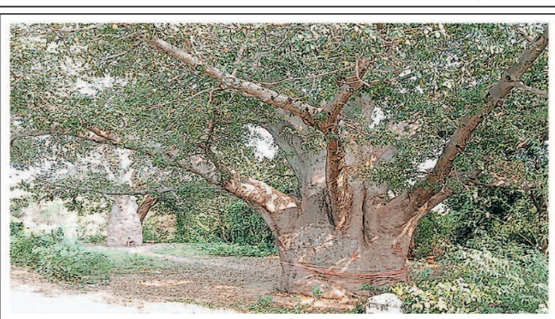

यह दुर्लभ कल्पवृक्ष बांसवाड़ा मार्ग पर राजस्थान की सीमा में चाचाकोड़ा स्थापित है 350 वर्ष पुराने इस वृक्ष के दर्शन और परिक्रमा करने लोग दूर दूर से आते हैं और मन्नत मांगते है ।

आतंकियों से मिली एम4 कार्बाइन

नई दिल्ली (एजेंसी)। आतंकियों के पास अमेरिकी असॉल्ट राइफल एम4 कार्बाइन के मिलने की घटना ने सुरक्षा एजेंसियों की चिंता बढ़ गई है। हाल ही में गांदरबल और कठुआ में आतंकियों के पास यह राइफलें मिली हैं, जो सवाल उठाती हैं कि ये हथियार उन्हें कहां से मिले। इन राइफलों का अधिकांश हिस्सा ईराक, सीरिया, अफगानिस्तान और यमन से प्राप्त हुआ है। आतंकियों ने अमेरिकी और स्थानीय सेनाओं से इन हथियारों को लूटकर या चोरी करके अपने पास रखा है। वैश्विक उपस्थिति में एम4 कार्बाइन का उपयोग कई देशों की सेनाओं द्वारा किया जाता है, जिससे यह ब्लैक मार्केट में आसानी से मिल जाती है।

सैन्य अभियान में नौ आतंकवादी मारे गये

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने देश के उत्तर पश्चिम खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के बाजौर जिले में खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए अभियान में नौ आतंकवादियों को मार गिराया है।

भारत में रतलाम के सीएम राइज स्कूल को इनोवेशन के लिए विश्व का सर्वश्रेष्ठ पुरस्कार प्रदान

रतलाम। (भेरूलाल टाक)। रतलाम के विनोबा नगर सीएम राईज ने ऐसा कीर्तिमान स्थापित कर लिया जो अपने आप में अजूबा है। लंदन की संस्था टी 4 एजुकेशन ने गुरुवार को वर्चुअल कार्यक्रम में विश्व के सर्वश्रेष्ठ स्कूल की घोषणा की।

शायद किसी को विश्वास नहीं था कि भारत के मध्यप्रदेश के छोटे से शहर रतलाम का एक सरकारी स्कूल पूरे विश्व के स्कूलों को मात देकर आकाशीय कीर्तिमान स्थापित करेगा। सीएम राईज विनोबा नगर को इनोवेशन केटेगरी में विश्व में प्रथम स्थान हासिल हुआ। इस उपलब्धि तक पंहुचने वाला यह पहला और भारत का एकमात्र सरकारी स्कूल है। पुरस्कारों की घोषणा करते हुए टी 4 एजुकेशन के संस्थापक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री विकास पोटा ने सीएम राइज विनोबा की टीम और मध्य प्रदेश सरकार को बधाई देते हुए कहा, यह उपलब्धि दर्शाती है कि राज्य के सरकारी स्कूलों में विश्व स्तरीय शिक्षा का सृजन किया जा रहा है। भारत यह दुनिया भर के शिक्षकों के लिए एक प्रेरणा है। ऐतिहासिक घोषणा के दौरान प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्री चैतन्य कश्यप भी वर्चुअली जुड़े उन्होंने पूरी टीम को बधाई दी। अनाउंसमेंट को सुनते ही इस मुकाम तक पंहुचने में सबसे अहम भूमिका निभाने वाले स्कूल के सह प्राचार्य गजेंद्र सिंह राठौर भावुक होकर रो ही पड़े। स्कूल प्राचार्य संध्या ठोहरा समेत मेहनत में दिन-रात लगने वाले शिक्षक, शिक्षिकाएं भी आश्चर्य से भरी खुशी से नाचते, एक दूसरे के गले लगकर बधाई देते रहे। मौजूद विद्यार्थियों ने घंटों तक नृत्य किया और उनके परिजन भी अत्याधिक खुश होकर फूलों से होली खेलने लगे।

टी-4 के संस्थापक ने कहा यह मेरे लिए भी सम्मान

टी 4 एजुकेशन और विश्व के सर्वश्रेष्ठ स्कूल पुरस्कारों के संस्थापक विकास पोटा ने लंदन से भी रतलाम के सीएम राईज की सराहना की। कहा कि भारत में सीएम राइज स्कूल विनोबा, रतलाम को इनोवेशन के लिए विश्व का सर्वश्रेष्ठ स्कूल पुरस्कार 2024 प्रदान करना मेरे लिए बहुत सम्मान की बात है। अपनी कक्षा, समुदाय और उससे कहीं आगे के जीवन में जो बदलाव किया है, वह शिक्षकों और नीति निमार्ताओं को समान रूप से प्रेरित करेगा। आशा है कि सरकारें अब आपके चमकदार उदाहरण की ओर देखेंगी कि जब स्कूल उच्च प्रदर्शन के लिए प्रतिबद्ध हों। आपका काम बेहतर भविष्य का मार्ग प्रशस्त करता है।

संपादकीय

चीन से समझौता अहम, लेकिन भरोसे की ज्यादा अपेक्षा

गलवान संघर्ष के बाद भारत-चीन दोनों देशों के रिश्तों में एक बर्फ सी जम गई थी, वह बर्फ अब पिघलती-सी प्रतीत हो रही है। दोनों देश रूस के कजान शहर में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की पूर्व संध्या पर पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा यानी एलएसी पर गश्त लगाने पर एक समझौते पर पहुंचे हैं। दोनों देशों के बीच लम्बे समय से चले आ रहे तनाव के बादल अब छंट सकते हैं। सीमा विवाद से जुड़े इस फैसले के गहरे कूटनीतिक व सामरिक निहितार्थ हैं। लेकिन इस फैसले का अन्तर्राष्ट्रीय राजनीतिक समीकरणों पर भी गहरा प्रभाव पड़ेगा, इससे दुनिया की महाशक्तियों के निरंकुशता को नियंत्रित किया जा सकेगा, ब्रिक्स समूह को ताकतवर बनाने के प्रयासों में सफलता मिलेगी। यह घटनाक्रम उस विश्वास को भी मजबूती देगा, जिसमें कहा जा रहा है कि मोदी और शी जिनपिंग यूक्रेन-रूस संघर्ष में मध्यस्थ की भूमिका निभा सकते हैं। इन आशा एवं सकारात्मक दृष्टिकोणों के बावजूद एक बड़ा प्रश्न चीन के पलटूराम नजरिये को लेकर निराश भी करता है। भारत को गहरे तक इस बात का अहसास है कि बीजिंग को सीमा समझौतों की अवहेलना करने की पूरानी आदत है। उसने अनेक बार भारत के भरोसे को तोड़ा है। पूर्व के अनुभवों से ऐसी आशंकाओं से इनकार नहीं किया जा सकता है। हालिया फैसले का भी ऐसा ही कोई हश्र न हो जाये, इसके लिये भारत को फूंक-फूंक कर कदम रखने की जरूरत है।भारत-चीन दोस्ती महत्वपूर्ण ही नहीं, बल्कि उपयोगी भी है। यह दोनों देशों के हित में होने के साथ दुनिया में शांति, स्थिरता, सौहार्द एवं आर्थिक विकास की भी जरूरत है। इसीलिये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने दोस्ती की तरफ कदम बढ़ाते हुए हाथ मिलाये हैं और सौहार्दपूर्ण बातचीत के लिये टेबल पर बैठे हैं। गलवान संघर्ष के चार साल बाद आखिरकार दोनों देश निकट आये है, परस्पर वार्ता का गतिरोध दूर हुआ है, दुनिया को कुछ सकारात्मक एवं आशाभरा दिखाने की संभावनाएं बढ़ी है। इस गतिरोध के चलते दोनों देशों के बीच लगातार तनाव एव संघर्ष का माहौल बना रहा है, व्यापारिक गतिविधियां रूक-सी गयी थी, एक बेहद जटिल भौगोलिक परिस्थितियों में दोनों देशों की सेनाओं को चौबीस घंटे तैयार रहने की स्थिति में खड़ा कर दिया था। लेकिन अब ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में दोनों देशों के निकट आने के घटनाक्रम से एक बड़ा संदेश भी दुनिया में जाएगा कि दोनों देश बातचीत के जरिये अपने मतभेदों को सुलझा सकते हैं। द्विपक्षीय वार्ता के बाद दोनों देशों के संबंध सामान्य होने की संभावना बढ़ अवश्य गई है, लेकिन इसमें समय लगेगा, क्योंकि बीते चार वर्षों में चीन ने अपनी हरकतों से भारत का भरोसा खोने का काम किया है। भारतीय प्रधानमंत्री और चीनी राष्ट्रपति के बीच करीब पांच वर्षों के बाद विस्तार से वार्ता इसीलिए हो सकी, क्योंकि चीन देपसांग एवं डेमचोक से अपनी सेनाएं पीछे हटाने और सीमा पर निगरानी की पहली वाली स्थिति बहाल करने पर सहमत हुआ। यह एक अच्छा एवं शुभ संकेत है। प्रधानमंत्री मोदी ने सीमा पर शांति की अपेक्षा करते हुए चीन से कहा है कि आपसी विश्वास एवं सहयोग को बढ़ावा देने के साथ एक-दूसरे की संवेदनशीलता का सम्मान किया जाना चाहिए। यह कहना आवश्यक एवं प्रासंगिक था, क्योंकि चीन यह तो चाहता है कि भारत उसके हितों को लेकर अतिरिक्त सावधानी बरते, लेकिन खुद उसकी ओर से भारत के प्रति अपेक्षित संवेदनशीलता को लगातार नजरअंदाज करता रहा था। इसका प्रमाण यह है कि वह कभी कश्मीर तो कभी अरुणाचल प्रदेश को लेकर मनगढ़ंत दावे करता रहा है। इसकी भी अनदेखी नहीं कर सकते कि चीन किस तरह पाकिस्तान को भारत के खिलाफ मोहरे की तरह इस्तेमाल करता रहा है। चीन पाकिस्तान के उन आतंकियों का संयुक्त राष्ट्र में बचाव करता रहा है, जो भारत के लिए खतरा हैं। चीन किये गये वायदों एवं समझौतों से पीछे हटता रहा है, चीनी राष्ट्रपति ने दोनों देशों के बीच 1993, 1996, 2005 और 2013 में परस्पर भरोसा पैदा करने वाले समझौतों को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया। उन्होंने अपनी सेना को भारतीय दावे वाले इलाकों में अतिक्रमण करने का आदेश दिया। इसी का अंजाम रही जून 2020 में गलवान घाटी जैसी घटना। इसके बावजूद भारत के राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व ने बहुत संयम बरता, भड़काने वाली परिस्थितियों में भी उन्होंने धैर्य से काम लिया और बातचीत के जरिये ही मामले का हल निकाला। लेकिन, चिंता कम नहीं हुई है। पिछले साढ़े चार बरसों के दौरान चीनी सेना ने बेहद दुर्गम पर्वतीय इलाकों में पक्के निर्माण कर लिए हैं। आशंका है कि चीन अपने इन सैन्य ढांचागत निर्माण को ध्वस्त कर इलाका पूरी तरह छोड़ देने के लिए तैयार होगा भी या नहीं? ऐसी स्थिति में पूर्वी लद्दाख के सीमांत इलाकों में सैन्य तनाव और परस्पर अविश्वास की स्थिति बनी रहेगी। भारतीय सामरिक पर्यवेक्षकों के बीच चीन के इरादों को लेकर शक बना रहेगा, क्योंकि हमारे इस पड़ोसी का भरोसा तोड़ने का पुराना इतिहास रहा है। लेकिन देर आये दुरस्त आये की कहावत के अनुसार चीन को भारत से दोस्ती का महत्व समझ आ गया है तो यह दोनों देशों के साथ समूची दुनिया के हित में है। भारतीय प्रधानमंत्री और चीनी राष्ट्रपति की मुलाकात के बाद दोनों देशों के विशेष प्रतिनिधि भी शीघ्र टेबल पर बैठकर भरोसे एवं विश्वास बहाली के उपायों पर चर्चा करेंगे, लेकिन भारत को इसकी अनदेखी नहीं करनी चाहिए कि चीन कहीं दो कदम आगे बढ़कर चार कदम पीछे न हट जाये।

कहानी

बेबाक प्रश्न

आज एक सम्मान सभा का आयोजन किया गया था जिसमें कई शहर की सुंदरियों को आमंत्रण दिया गया था । उद्घोषिका ने उनका स्वागत करते हुए कहा मैं आप सभी सुंदरियों का अभिवादन करते हुए आपको मंच पर आमंत्रित करती हूं । सभी इठलाती - बलखाती स्टेज की तरफ चल दीं उन सबकी चाल में एक विश्वास और चेहरे पर ख़ूबसूरती दमक रही थी । उद्घोषिका ने स्टेज पर खड़ी उन सारी सुंदरियों की तरफ देखते हुए कहा मैं आप सभी से एक प्रश्न पूछती हूं कि आप भगवान की दी गई इस ख़ूबसूरती पर क्या कहना चाहेंगी ? एक सुंदरी ने आगे बढ़कर माइक थामा और सबका अभिवादन करते हुए कहा मैं ऊपर वाले की शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने मुझे ये ख़ूबसूरती दी जिसके लिए मैं ख़ुद को गर्वान्वित महसूस करती हूं , ऊपर वाला हमें जो भी देता है उसके लिए हमें उसका एहसानमंद होना चाहिए । सभा में एक स्त्री बोलने के लिए हाथ ऊंचा कर रही थी उद्घोषिका ने उसकी तरफ देखते हुए कहा क्या आप कुछ कहना चाह रही हैं ? स्त्री की गर्दन हां में हिली । मंच पर सभी उसको ध्यान से देख रहीं थीं उसके चेहरे पर कुछ ज़्यादा मेकअप और हाव-भाव किन्नरों वाला था...उसने बोलना शुरू किया । नमस्कार ! अभी आपने बोला कि ऊपर वाला हमें जो भी देता है उसका हमें एहसानमंद होना चाहिए हम किन्नर भी उसी ऊपरवाले की देन हैं हम ख़ुद से किन्नर नहीं बने । सबको बस शुभ कार्यों में हमारा आशीर्वाद चाहिए उसके बाद हम तिरस्कृत हो जाते हैं यहां तक की हमारा नाम लेने में भी आपको शर्म आती है और हमारे नाम को गाली के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है । हम किन्नर भी तो उसका एहसान मानकर उसका ही दिया हुआ काम करतें हैं तो हम क्यों नहीं गौरवान्वित महसूस करें ? हमें क्यों नही सराहा और सम्मानित किया जाता ? अगर आप मानते हैं कि हम सब ऊपरवाले की देन हैं तो फिर हमारे साथ ये भेदभाव क्यों ?

ममता सिंह देवा ,
वाराणसी

कहानी

एक शिकायत

मीठी तुम्हारा काम अभी खत्म नहीं हुआ? नहीं नहीं अनुभवअभी तो नहीं बस लास्ट असाइनमेंट है इसे मेल कर दूँथोड़ी सी फाइल्स और चेक करनी हैं ओके मैं भी तब तक कुछ पेंडिंग मेल्स चैक कर लूँ। कल की गैस्ट विज़िट्स का अरेंजमेंट मैनेज कर लूँसाथ ही चलते हैं । नहीं तुम निकल जाओअनुभव। मेरी वजह से रुकने की जरूरत नहीं मैं तुम्हारी वजह से कुछ नहीं कर रहा हूँ डफ़र खुद की वजह से कर रहा हूँ। मेरा भी कुछ काम पेंडिंग है यार। ऐसा कहते हुए अनुभव अपने केबिन में चला गया ।मीठी और अनुभव दोनों ही एक ही मल्टीनेशनल कंपनी में कार्यरत हैं। जब मीठी का काम फिनिश हो गया तो वह केबिन से बाहर आई। देखा तो अनुभव तुरंत गाड़ी की चाबी लेते हुए उसके पास आ गया। और बेतकल्लुफी से बोला

हो गया तुम्हारा काम देखो मेरा भी फिनिश चलो मैं तुम्हें घर ड्रॉप कर दूँ नहीं नहीं मैं चली जाऊँगी तुम तकलीफ क्यों करते हो ? मुझे कोई तकलीफ़ नहीं होती बल्कि खुशी मिलती है। रोज-रोज मुझे तुम्हारा ऐसे घर छोड़ना ठीक नहीं लगता ।लोग क्या कहेंगे? अरे मीठी तुम लोगों की चिंता कबसे करने लगीं? अनुभव हमेशा उसका झूठ पकड़ लेता था आज भी पकड़ लिया। सच में मीठी ने कभी भी चार लोगों की चिंता नहीं की। वह हमेशा अपने मन की सुनती आई है। यदि वह ठीक है सही है तो फिर वह किसी से नहीं डरती वह तो बस अनुभव को खुद से दूर रखना चाहती थी और इसीलिए वह झूठे-झूठे बहाने बना रही थी। किंतु अनुभव हमेशा उसकी आंखों में सच पढ़ ही लेता था। पता नहीं कैसे वह उसे उससे भी ज्यादा जानने लगा था। अभी दोनों को मिले हुए ज़्यादा समय भी नहीं हुआ । नवंबर में ही तो मिले थे और अभी जनवरी माह चल रहा है। कोई कैसे इतनी जल्दी एक- दूसरे को जान सकता है? सुनो तुम मेरी दोस्त हो न हाँ हूँ बस दोस्त हाँ तो दोस्ती का एक उसूल है मिस मीठी कि दोस्ती में झूठ नहीं बोला करते। कोई राज नहीं रखा करते। लेकिन अनुभव हम दोनों यदि दोस्त ही रहें तो अच्छा है। मीठी ने ऐसा कहकर नज़रें चुरा लीं।जैसे यदि वह अनुभव को देखेगी तो वह फिर से आँखों में उमड़ते बेपनाह प्यार को पढ़ लेगा और उससे कारण जानना चाहेगा कि आखिर प्यार होते हुए भी वह क्यों उससे दूर भाग रही है। गाड़ी में एफ0एम0पर गाना चल रहा था वो पल कि जिसमें मोहब्बत जवान होती है, उस एक पल का तुझे इंतजार है कि नहीं गाने के शब्द मानो अनुभव के हृदय से निकल रहे हो और मीठी से प्रश्न कर रहे हों।जनवरी की बर्फीली सर्दी में भी मीठी का चेहरा स्वेद बिंदुओं से भीग गया।अनुभव ने अपनी जींस की जेब में से हैंकी निकाला और धीरे से मीठी के हाथ में थमा दिया। मीठी हैरत में पड़ जाती कैसे कोई किसी के प्रति इतना केयरिंग हो सकता है अभी वह सोच ही रही थी कि अनुभव ने पानी की बोतल उसकी ओर बढ़ाते हुए कहा लो पानी पी लो तुम्हें प्यास लगी होगी सचमुच में मीठी का कंठ प्यास से सूख रहा था। उसने खुश्क होठों पर जीभ फेरते हुए अनुभव के हाथ से बोतल ले ली और बोतल से मुँह लगाकर पानी पीने लगी। देखो मीठी यह भी संयोग ही है हमारी आदतें कितनी मिलती हैं। रुचिया ही नहीं बल्कि खाने पीने का तरीका भी। मुझसे भी पानी बोतल ऊपर करके नहीं पिया जाता। मैं बोतल से हमेशा मुँह लगाकर ही पानी पीता हूँ। हाँ अनुभव पता नहीं लोग कैसे पी लेते हैं पानी ऊपर से उड़ेलकर मेरा पानी तो अटक जाता है उसकी बात सुनकर अनुभव मुस्कुराने लगा तो मीठी के चेहरे पर एक हल्की सी मुस्कुराहट आकर ठहर गई। बात शुरू करने के लिए कहा सुनो अनुभव मैं सोच रही हूँ दो-चार दिन की छुट्टी ले लूँ? शौक से छुट्टियां लोकौन तुम्हारी याद में मरा जा रहा है ?वैसे भी हम होते ही कौन हैं?वैसे छुट्टियां लेने का कारण जान सकता हूँ? बस मन को रेस्ट देना चाहती हूँ। मन को रेस्ट देना चाहती हो या परिस्थिति से एस्केप करना चाहती हो? मुझे पता है तुम मुझे बच रही हो? नहीं बिल्कुल नहीं मीठी मैंने तुम्हारी आँखों में अपने लिए बेतहाशा प्रेम देखा है। पर पता नहीं क्यों जब से मैंने तुमसे पिछले सप्ताह अपनी मोहब्बत का इजहार किया है तब से ही तुम मुझे कतराने लगी होमैं पूछता हूँ आख़िर क्यों? मीठी ने कोई जवाब नहीं दिया और पर्स लेकर चुपचाप गाड़ी से उतर गई।

मेरा घर आ गया थैंक यू सो मच थैंक यू कह कर मुझे पराया मत करो। थैंक यू -सॉरी जैसे शब्द हमारी डिक्शनरी में नहीं है। मीठी मैं खुद को तुमसे अलग नहीं मानता। फिर तुम खुद से खुद का थैंक यू कैसे कह सकती हो? अनुभव के प्रेम की तपिश से मीठी पिघलने लगी। वह घर आई तो आते ही माँ से लिपट गई। माँ समझ गयीं कि आज मीठी दुखी है।माँ उसके हृदय की सदा सुन लेती हैं ,समझ जाती हैं कि आज बहुत कुछ उसके अंदर पक रहा है। फिर वे उसके लिए कड़क सी चाय बना कर ले आई और मीठी ने अपने मन की सारी गिरहें माँ के सामने खोल दीं। माँ आप ही बताएँ मैं क्या करूँ? अनुभव बहुत ही अच्छे हैं हमेशा मेरा ध्यान रखते हैं मुझे बेपनाह प्रेम करते हैं मैं भी किंतु मुझे अपनी जिंदगी से एक ही शिकायत है कि काश मेरे जीवन में वह घटना घटित न हुई होती जिसके कारण आज मैं स्वयं को उनके योग्य नहीं मानती ।वे अक्सर मुझसे मेरे कतराने का, दूर-दूर भागने का कारण पूछते हैं माँकैसे कह दूँ माँ? उफ़्फ़ कैसे बता दूँ कि स्वयं के ही अपनों द्वारा ठगी गई हूँ। कैसे बता दूँ कि बचपन में किस तरह सगे चाचा ने मेरे साथ माँ ने उसके होठों पर उंगलियाँ रख दी। नहीं मीठी कभी इस बात का जिक्र भी किसी से मत करना ।उस घिनौने इंसान ने तुम्हारे साथ जो भी किया उसे उसके कर्मों का फल मिल चुका है। कैंसर जैसे भयावह रोग से तड़प -तड़प कर उसके प्राण निकले हैं ।तुम तो गंगाजल की तरह पावन हो मेरी बच्ची तुम क्यों स्वयं को दोषी मानती हो? सुनो मीठी यदि मेरी बात मानो तो एक बात कहूँ ?तुम अनुभव से विवाह कर लो वह बहुत ही अच्छा लड़का है, बहुत ही सुलझे हुए विचारों का है, तुम्हें समझता भी है, प्रेम भी करता है। किंतु माँ मैं उनके योग्य नहीं हूँ।उन्हें कोई भी लड़की जीवनसाथी के रूप में पाकर खुद के सौभाग्य पर इतराएगी । तुममें कोई खराबी नहीं है मीठी तुम क्यों अपराधबोध से ग्रसित हुई जा रही हो। इस राज को राज ही रहने दो कभी किसी से मत बताना। किंतु माँ इतना बड़ा धोखा मैं उनके साथ नहीं कर पाऊँगी। करना पड़ेगा मेरी बेटी।मैं कब तक साथ रह सकूँगी। माँ के दबाव में आकर मीठी ने अनुभव का प्रणय प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। अनुभव उससे खूब प्रेम करता है। दोनों का जीवन अच्छा चल रहा है किंतु आज भी मीठी के मन को एक शिकायत है स्वयं से कि काश!! वह अनुभव को सब कुछ सच बता देती काश कोई पर्दा न रखती तो कितना अच्छा होता हृदय पर रखा हुआ यह भार कुछ तो हल्का हो जाता।

प्रीति चौधरीमनोरमा

तत्कालीन रतलाम राज्य के सर्वाधिक चर्चित एवं प्रजा प्रिय राजा रहे थे, सज्जनसिंह

ललित भाटी. अपने 49 वर्षीय शासनकाल में, तत्कालीन राजा सज्जनसिंह को, जहां उस समय के अति प्रचलित खेल पोलो में एक विश्वविख्यात खिलाड़ी के नाते, तो एक निर्णायक के रूप में, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मानजनक प्रसिद्धि मिली थी। वहीं वे देश की सभी तत्कालीन राजपूत रियासतों में , एक अति प्रभावशाली राजपूत राजा बनकर भी प्रकट हुए। रतलाम रियासत को यशस्वी बनाने में उनकी महत्त्वपूर्ण कार्यशैली रही थी। रतलाम रियासत के संदर्भ में, यदि उनके अल्प समय के कार्यकाल को अलग रखकर बात की जाए, तो वे तत्समय एक प्रजा प्रिय राजा घोषित थे। उनके उस दौरान के निर्णय, आज तक जनमानस में, तत्कालीन रतलाम राज्य को यादों में बनाए रखते हैं।

राजा सज्जनसिंह

। राज्याधिकार प्राप्ति 1898 से लेकर, 1947 तक।

। उनका एक सैनिक के नाते कर्तृतव्य निर्वहन। 1901 में, अंग्रेज सरकार ने मेरठ में, इंपीरियल केडेट कोर की स्थापना की थी। तब इसमें भारत की देशी रियासतों के राजा, राजकुमार, नवाब तथा जागीरदारों को भी भर्ती किया गया था। राजा सज्जनसिंह को जब इस बात का पता चला, तो वे मेरठ छावनी गए और अपना नाम लिखवाया। उस दौरान वे, समूचे देश में एकमात्र ऐसे राजा थे, जिन्होंने केडेट कोर में प्रवेश लिया था। उन्हें कोर में अंडर ऑफिसर बनाया गया। तब कोर का मुख्यालय देहरादून में था। 1903 में, दिल्ली दरबार में इंपीरियल केडेट कोर के सदस्य के रूप में , इन राजा ने अपना काम किया। 23 मार्च, 1903 को, वे कोर की शिक्षा समाप्त कर पुनः रतलाम आ गए। यहां आकर उन्होंने रियासत की बागडोर, तत्कालीन दीवान से अपने हाथों में ले ली।

5 जनवरी, 1908 को, उन्हें अंग्रेजी सेना का ऑनरेरी कैप्टन बनाया गया। इस अवसर पर , उन्हें एक ख़ास पत्र सौंपा गया, जिसमें लिखा था,÷हम आपको पूर्ण शक्ती एवं रैंक के अनुसार, अधिकारों का उपयोग करने की अनुमति प्रदान करने हैं। हमारे समस्त अधिकारियों और सिपाहियों को आदेश देते हैं कि, आपसे जहां भी कोई संबंध आए, उस समय आपको कैप्टन मानकर व्यवहार करे।÷ जून, 1909 में उन्हें के सी एस आई का पदक देकर सम्मानित किया गया था। अक्टूबर,1911 में , अंग्रेज सरकार का फारस से युद्ध हो गया। इसमें भारत की तत्कालीन 39 वीं घुड़सवार सेना को भी भिजवाया जाना तय किया गया। तब राजा सज्जनसिंह ही इसके ऑनरेरी कैप्टन थे। राजा ने पत्र लिखकर , भारत सरकार से युद्ध में जाने की अनुमति मांगी। इधर दिल्ली में शाही दरबार लगने वाला था, जिसमें इंग्लैंड के सम्राट जार्ज पंचम आने वाले थे। राजा को इंपीरियल केडेट कोर के सदस्य के नाते, शाही दरबार में उपस्थित रहना अनिवार्य मानकर, युद्ध में जाने की अनुमति नहीं दी गई।

प्रामाणिक संदर्भ स्त्रोत

। राजा रणजीत सिंह का जीवन वृत्तांत, 1899. लेखक, पांडे रामप्रताप खर्रा.।

। जावरा स्टेट गजेटियर, 1908.।

। पुस्तक, द सोल्जर रूलर ऑफ रतलाम, 1919.।

। पुस्तक, पितलिया गौरव, संपादक, डॉ. दुर्गा शर्मा. ।

ललित भाटी, बिचौली रोड, इंदौर.
मोबाइल नंबर, 98270,08628

करार

लक्ष्मी ने अस्तपताल में अपने छटे बच्चे पुत्र के रूप में जन्म दिया है. जब मनोरमा ने यह बात जुगल प्रसाद से कहीं तब वे प्रसन्नता से बोले - सच मनोरमा, लड़का हुआ है.हॉ - हॉ सच है. उसके पुत्र हुआ. प्रसन्नता से मनोरमा बोली. मॉ बेटे कैसे है ?. जुगल प्रसाद ने अगला प्रश्न पूछा. बहुत ठीक है. डिलेवरी बहुत साधारण हुई है. मनोरमा चिड़ियों सी चहककर बोली - चलो करार के अनुसार अस्तपताल की कार्यवाही कर आये. ताकि वो पुत्र मेरी गोद में खेले और बड़ा हो. मैं उसकी मां आ जन्म कहलाऊं. अरे इतनी जल्दी क्यों करती हो मनोरमा ?-- उसे अस्तपताल से छुट्टी तो होने दो.नारमल डिलेवरी हुई है. अतः अस्तपताल से छुट्टी तो बहुत जल्दी हो जायेगी. मगर गोद लेने की प्रर्क्रियॉ तो अस्तपताल में जाकर डाक्टर से पूरी करना पड़ेगी. यदि अस्तपताल की प्रकिया पूरी नहीं करेंगे, तब लक्ष्मी कब आकर कह दे, लाओ मेरा पुत्र वापस कर दो. हॉ भाई यह बात तो ठीक है. अपनी सहमति देते हुए जुगल प्रसाद बोले - एक बात और है जब गोद लेने की प्रकिया पूरी हो जायेगी. बच्चा जब अपने पास आ जायेगा. तब मैं बहुत दूर स्थानान्तर करवा लूंगा ताकि लक्ष्मी को फिर याद नहीं आये कि उसका बच्चा भी हुआ था हॉ यह बात आपने सही कहीं, भले ही मैंने लक्ष्मी के बेटे को जन्म नहीं दिया. तब भी मां तो मैं ही उम्र भर के लिए कहलाऊंगी. चलो अस्तपताल चलने की तैयारी करते है मनोरमा चिड़ियों सी चहकती हुई बोली.तब वे घंटे भर के भीतर ही अपनी कार लेकर अस्तपताल की और रवाना हो गये. जैसे - जैसे कार आगे बढ़ रही थी. मनोरमा अतीत में खोती जा रही थी. लक्ष्मी और उसके बीच उस दिन की बात उसे याद आ रही थी.जैसे ही लक्ष्मी बर्तन मांजकर ड्राईगरूम में आई. मालकिन मनोरमा अख़बार पढ़ने में व्यस्त थी. लक्ष्मी चुपचाप उसके पास आकर खड़ी हो गई. मगर मनोरमा का ध्यान अख़बार पढ़ने में ही लगा रहा. तब लक्ष्मी बोली - मेम साहब.क्या है लक्ष्मी ? मनोरमा ने अख़बार से नज़र हटाकर कहा. मुझे पूछना तो नहीं चाहिए मगर फिर भी पूछ रही हूँ. बोल क्या पूछना है लक्ष्मी ? मनोरमा ने कहॉ.अब रहने भी दो मेम साहब, आप बुरा मान जायेंगी.मैं भला क्यों बुरा मानूंगी, पूछ, क्या पूछना चाहती है. मनोरमा ने जब यह कहकर लक्ष्मी की तरफ देखा, जिसकी नज़र ज़मीन पर गढ़ी हुई थी. फिर उसे कुरेदती हुई बोली - बोल न लक्ष्मी चुप क्यों है ? रहने दीजिए, कहने से कोई फायदा नहीं.देख लक्ष्मी, कह देने में मन हल्का हो जाता है. निः संकोच कह मैं बुरा नहीं मानूंगी.ठीक है मेम साहब, आप कहती है. तो कह देती हूँ. मैं जब से आपके यहॉ बर्तन मांजने आ रही हूँ. तब से मैं एक ही बात पर विचार कर रही थी कि शादी के 10 साल बित जाने के बाद भी आपके संतान क्यों नहीं हुई अभी तक, कहकर लक्ष्मी ने अपने मन की बात कह दी. जब लक्ष्मी ने यह प्रश्न पूछा, तब वो खामोश हो गई. हॉ उसकी शादी के 10 वर्ष गुजर गये. मगर संतान तो उसके शादी के दो साल के भीतर आप्रेशन द्वारा लड़का हुआ था. मगर मरा हुआ. आप्रेशन करते हुए बच्चेंदानी की नश कट गई. ऐसे में बच्चें का सवाल ही नहीं उठता है. मनोरमा को चुप देखकर लक्ष्मी फिर बोली - मेम साहब आप चुप क्यों हो गई ? देख लक्ष्मी, तेरा प्रश्न वाजिब है. तू भी यही कहना चाहती है न कि मैं बॉझ हूँ. औरत के जब दो साल के भीतर कोई बच्चा नहीं होता है तब समाज उसे बांझ घोषित कर देता है. मैं कैसे मान लूं कि आप बांझ है. हर औरत की चाह मां बनने की होती है क्या आपको मां बनने का विचार नहीं आता है. आता क्यों नहीं. मगर तू नहीं जानती है. कहकर मनोरमा ने अपनी सारी बात बतला दी. तब अफसोस बताती हुइ लक्ष्मी बोली - यह तो आपके साथ हॉ लक्ष्मी, अब मैं मां नहीं बन सकती हूँ. बीच में ही बात काटकर मनोरमा बोली - क्या मैं भी संतान नहीं चाहती हूँ. ऊपर वाले का कैसा खेल है मेम साहब, आप संतान के लिए तरस रही है. एक मैं हूँ मेरे पेट में छटी संतान है. मैं तो परेशान हो गई संतान संभालकर. कहकर लक्ष्मी चिढ़ती हुई बोली. तभी मनोरमा का पति जुगल प्रसाद आ जाते है. मगर उसके बीच वे व्यवधान नहीं बनते है. चुपचाप उनकी बात सुनते है. तब मनोरमा बोली तू सच कहती है लक्ष्मी, तू और बच्चा नहीं चाहती है. हॉ मेम साहब, मैं तो बच्चे पैदा करके परेशान हो गई. मेरे घर वाले की इतनी कमाई नही है फिर भी वो पैदा करता जा रहा है. मैंने उससे कहॉ आप्रेशन करा दो.मगर मेरी सुनता ही नहीं. इस समय लक्ष्मी का क्रोध अपने चरम सीमा पर पहुँच चुका था. तब मनोरमा ने जवाब दिया - तेरी इस समस्या का हल तो हो सकता है. वो कैसे मेम साहब .? लक्ष्मी के चेहरे पर तनिक मुस्कान लौटी. तेरा घरवाला और तू यदि सहमत हो तो मैं छटी संतान को गोद लूंगी क्या कहती है मेम साहब, मैं तो स्वीकृति देती हूँ ? प्रसन्नता से लक्ष्मी बोली क्यों जी, आप सहमत है. मनोरमा अपने पति जुगल प्रसाद से बोली. अरे मनोरमा, तुम्हारी सहमति मेरी सहमति. जुगल प्रसाद भी प्रसन्नता से बोले - तुमने तो मेरे मन की बात छीन ली मनोरमा. देखो लक्ष्मी, अब तुम अपने घरवाले से इजाजत लेना. तब जिस दिन छटी संतान होगी. उसी दिन अस्तपताल से कार्यवाही करके हम गोद में ले लेगें बस इसी बात पर सहमति हो गई. लक्ष्मी के पति ने भी सहमति दे दी. अब लक्ष्मी की छटी संतान का इंतजार होने लगा. अरे मनोरमा, अस्तपताल आ गया कहॉ खो गई. जब जुगल प्रसाद ने यह बात कहीं तब मनोरमा अतीत से वर्तमान में लौटी. कार से उतरकर जब वे उस कमरे में गये, जिस कमरे में लक्ष्मी और उसका नव जात शिशु सो रहे थे. लक्ष्मी प्रसन्नता से बोली - ये आपकी अमानत. अब आप ही इसकी मां कहलायेंगी. हॉ ज़िंदगी भर अब मुझे यशोदा बनकर रहना है. प्रसन्नता से बोली. चलो अस्तपताल की औपचारिता पूरी कर लेते है जुगल प्रसाद बोले - लक्ष्मी के पति को भी साथ ले गये. फार्म भरकर औपचारिकता पूरी कर ली. अब लक्ष्मी के छटे बच्चें के पिता जुगल प्रसाद और मां मनोरमा कहलायेंगी. करार के अनुसार सारी औपचारिकता उन्होंने पूरी कर ली.

रमेश मनोहरा
शीतला माता गली, जावरा (म.प्र.)457226 जिला रतलाम
मों नं - 9479662215

विश्व पोलियो दिवस मनाया गया

इंदौर। आज विश्व पोलियों दिवस के अवसर पर ब्रिलियंट हायर सेकेंडरी स्कूल में विश्वपोलियो दिवस मनाया गया जिसमें इंदौर के रोटरी क्लब ऑफ इंदौर, इंदौर ग्लेक्सी, इंदौर अन्नपूर्णा इंदौर मार्शल एवं इंटरेक्ट क्लब ऑफ ब्रिलियंट स्कूल के संयुक्त तत्वाधान में यहां सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में इंटरेक्ट क्लब ऑफ ब्रिलियंट स्कूल की अनीशा कुशवाह है अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर , वैष्णवी बघेल ने इंदौर जिले पर ,हर्षिता मोटवानी ने राष्ट्रीय स्तर पर दीपांशु तिरले ने पोलियो की वर्तमान स्थिति पर अपने विचार व्यक्त किए। प्रारंभ में मुख्य अतिथि रोटरी क्लब ऑफ अन्नपूर्णा के अध्यक्ष जवाहर लाल जी ने, सरजीव भाई पटेल , श्री जोशी जी, डॉक्टर संजय कुमार मालवी ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम प्रारंभ किया। स्वागत इंटरेक्ट क्लब की अध्यक्ष एंजल नाथानी,उपाध्यक्ष अनीषा , सचिव वैष्णवी, सहसचिव दीपांशु, कोषाध्यक्ष हर्षिता ने पुष्प गुच्छ से स्वागत किया। विशेष अतिथि रोटरी इंटरनेशनल 3040 के रोटेरियन सरजीव भाई पटेल एवम रोटरी क्लब ऑफ मार्शल के राजेंद्र सिंघी ने पोलियो के बारे में बहुत ही सार गर्भित उद्बोधन दिया। डॉक्टर संजय कुमार मालवी ने बताया की हमारे पड़ोसी देश पाकिस्तान एवम अफगानिस्तान में पोलियो के अभी भी कुछ केस मिले है, जिन्हे हमे जड़ से समाप्त करने हेतु वहा के नागरिकों को भी प्रेरित करना होगा। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती शिल्पा जैन ने किया आभार विशाल यादव ने व्यक्त किया, मार्गदर्शन श्री इशीत मालवी तथा राजेश कोडवानी ने दिया।

वृद्ध विधवा महिला को मिला त्वरित न्याय

इंदौर। अपनी कड़ी मेहनत से खरीदे गए फ्लेट को किरायेदार से खाली कराने के लिए परेशान वृद्ध विधवा महिला को कलेक्टर श्री आशीष सिंह की सह्रदयता से त्वरितत न्याय मिला। बुजुर्ग महिला को अपना फ्लेट तो वापस मिला ही साथ ही उसे बकाया किराया राशि भी मिल गई। कलेक्टलर श्री आशीष सिंह ने एक बुजुर्ग महिला कि शिकायत पर तुरंत संज्ञान लिया और उसे उसका अधिकार दिलवाया। कलेक्टर श्री आशीष सिंह को बुजुर्ग आवेदिका श्रीमती विजया नाईक पति स्व. कमलकांत नाईक निवासी 77 विशाल नगर अन्नपूर्णा रोड़ इंदौर ने बताया कि प्रभु नगर स्थित कीर्ति प्लाजा में प्रथम मंजिल का उसका एक फ्लैट है। इस फ्लैट का नंबर 101 है। इस फ्लैट को उनके द्वारा श्री नवनीत सोनी पिता भवानी शंकर सोनी को किराए पर दिया था। परंतु किराएदार द्वारा उक्त फ्लैट को खाली नहीं किया जा रहा है और वह उसका किराया भी नहीं दे रहा है। उक्त फ्लैट खाली करवाने और उसके बकाया किराया राशि दिलवाने का आग्रह कलेक्टर से आवेदिका ने किया। कलेक्टर ने राऊ के एसडीएम श्री विनोद राठौर को उक्त शिकायत की जाँच कर कार्यवाही के लिए निर्देश दिए। एसडीएम राऊ श्री विनोद राठौर द्वारा उक्त मामले की जाँच कर उक्त फ्लैट खाली करने और किराये की बकाया राशि 45 हजार रुपये आवेदिका को दिलाये जाने के आदेश दिए गए। इस आदेश के परिपालन में तहसीलदार राऊ श्री नारायण नंदेडा ,राजस्व निरीक्षक श्री पठान ब्राह्मणे, पटवारी श्री अमन शुक्ला द्वारा कब्जाधारी श्री नवनीत सोनी से मकान ख़ाली करवाकर कब्जा आवेदिका श्रीमती विजया नाईक पति स्व. कमलकांत नाईक को दिलवाया गया। बकाया किराया राशि 45 हजार रुपये का चेक भी दिलाया गया।

सृजन विविधा 25 अक्टूबर को

इंदौर। श्री मध्यभारत हिंदी साहित्य समिति इंदौर में ''सृजन विविधा'' वरिष्ठ एवं नवोदित सभी रचनाकारों के लिए अपनी ÷स्वरचित रचना÷ जैसे गीत, गजल, कथा, लेख आदि प्रस्तुत करने का यह एक खुला मंच है। श्रोताओं द्वारा रचनाओं की समीक्षा व सुझावों से नवोदित रचनाकारों को लेखन की दिशा में मार्गदर्शन सुलभ है। साहित्य में रुचि रखने वाले आप सभी सम्माननीय रचनाकार, श्रोता व पाठकों का इस मंच पर हार्दिक स्वागत है। प्रचार मंत्री हरेराम वाजपेयी ने बताया कि कार्यक्रम 24 अक्टूबर, शाम 6:00 बजे से रहेगा। कार्यक्रम शिवाजी भवन में होगा।

दिव्यांगजनों को रोजगार की गतिविधियों से जोड़ने के संबंध में बैठक आज

इंदौर। इंदौर जिले में दिव्यांगजनों को रोजगार उपलब्ध कराकर समाज की मुख्य धारा से जोड़ने के लिए कलेक्टर श्री आशीष ?सिंह के मार्गदर्शन में दिव्यांग सशक्त रोजगार पोर्टल तैयार किया गया है। इस पोर्टल के माध्यम से जिले में दिव्यांगजनों को निजी क्षेत्रों में उनकी कार्य-क्षमता एवं योग्यता के आधार पर रोजगार मुहैया कराया जाना सुनिश्चित किया जा रहा है। दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम 2016 के अंतर्गत निजी क्षेत्रों में दिव्यांगजनों के लिए बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध करवाने की जिम्मेदारी निजी इकाइयों यथा कम्पनीर्स, होटर्ल्स, हॉस्पिटर्ल्स को दी गई है। इस सिलसिले में किये जा रहे प्रयासों की समीक्षा के लिए 25 अक्टूबर 2024 को कलेक्टर श्री आशीष सिंह की अध्यक्षता में कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में प्रातः 10-30 बजे से बैठक आयोजित की गई है।

अति खतरनाक एवं पटाखे उत्पादन करने वाले कारखानों के निरीक्षण के लिए दल गठित

इंदौर। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने इंदौर जिले में अति खतरनाक कारखानों एवं पटाखे उत्पादन करने वाले कारखानों के निरीक्षण के लिए संयुक्त दलों का गठन किया है।

यह दल विस्फोटक अधिनियम 1884, विस्फोटक नियम 2008, भारतीय बायलर अधिनियम 1923, कारखाना अधिनियम 1948 एवं अन्य श्रम कानूनो एवं इनके अधीन निर्मित नियमों के पालन के संबंध में निरीक्षण कर अपना प्रतिवेदन 7 दिनों में प्रस्तुत करेंगे। कलेक्टर श्री आशीष सिंह द्वारा जारी आदेश के अनुसार दल में संबंधित क्षेत्र के अनुविभागीय दण्डाधिकारी, संबंधित क्षेत्र के सहायक पुलिस आयुक्त/अनुविभागीय पुलिस अधिकारी, उप संचालक औद्योगिक स्वास्थ एवं सुरक्षा तथा संबंधित तहसीलदार को शामिल किया गया है।

95 लाख की एम डी ड्रग्स सहित 1 किलो से ज्यादा डोडा चुरा जब्त

इंदौर (मनीष शर्मा)। इन्दौर पुलिस ने राजस्थान के प्रतापगढ़-झालावाड के सप्लायरों से तार जोड़कर, करीब 95 लाख रुपए कीमत की एम डी ड्रग सहित एक किलो 70 ग्राम डोडा चूरा एवं एक बिना नम्बर की पल्सर मो.सा. व दो मोबाईल फोन पुलिस ने जप्त किए। विभाग से मिली जानकारी के मुताबिक वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में कार्यवाही करते हुए थाना प्रभारी सराफा निरीक्षक सुरेन्द्र सिंह रघुवंशी और उनकी टीम द्वारा नशे की सप्लाई करने वाले तस्करो को पकड़ने में सफलता प्राप्त की है।

मामला इस प्रकार है कि विगत दिनो 16 अक्टूम्बर को पुलिस थाना सराफा द्वारा पकडे गये एम.डी ड्रग्स के मुख्य आरोपियों से पूछताछत करते एवं पुलिस टीम के तकनीकी तथा मुखबिरी तंत्र के माध्यम से एकत्रित सूचनाओ के विशलेषण से उपरोक्त कार्यवाही करते हुये एक बडी सफलता इन्दौर पुलिस के हाथ लगी है। अवैध मादक पदार्थों के नेटवर्क को ध्वस्त करने हेतु की जा रही कार्यवाही के दौरान 24 अक्टूम्बर को थाना प्रभारी थाना सराफा एवं टीम को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई की फारूक खान नाम का व्यक्ति राजस्थान झालावाड क्षेत्र में काफी सक्रिय है जिस पर पूर्व से राजस्थान में भी एन.डी.पी.एस. के मामले दर्ज है उक्त फारूक खान नाम का व्यक्ति इसी क्षेत्र से एम.डी. ड्रग्स एवं अन्य मादक पदार्थ अवैध रुप से प्राप्त कर तस्करी करता है, जो 24 अक्टूम्बर को इसी क्षेत्र से ही नारकोटिक्स ड्रग्स/मादक पदार्थ को लेकर आने वाला है जो अपने काले रंग की पल्सर मोटर सायकिल से इंदौर होते हुए आगे अन्य बाहरी राज्यो में भी बडे स्तर पर तस्करी करने वाला है। उक्त सूचना पर वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में मुखबिरी तंत्र का जाल बनाकर आरोपी फारूक खान के संबंध में से जानकारी प्राप्त की गई तो पता चला कि फारूक खान नाम का व्यक्ति आज दिनांक को सराफा राजवाडा होता हुआ महाराष्ट्र या आगरा जाने की फिराक में है जिसके पास काफी मात्रा में ड्रग्स/मादक पदार्थ है। जिस पर वरिष्ठ अधिकारीयों को अवगत कराकर त्वरित कार्यवाही कर मुखबिर द्वारा बताये गये हुलिया, कद-काठी के व्यक्ति को घेरा बंदी कर पकडा एवं नाम पता पूछा तो फारूक खान बताया एवं झालावाड थाना डग क्षेत्र में अपने दोस्तो के साथ यंहा - वंहा रहकर अवैध मादक पदार्थ की तस्करी में सक्रिय होना बताया, जो मौके पर काफी घबरा गया उक्त व्यक्ति की मौके पर तलाशी लेते उसके कब्जे के नीले रंग के बैग मे 989 ग्राम एम.डी. डग्स एवं 1 किलो 70 ग्राम डोडा चूरा अवैध रूप से होना पाया गया एवं उक्त व्यक्ति उक्त माल का परिवहन बिना नम्बर की मो.सा. से अवैध रूप से करता पाया गया। जिसे पंचानो के समक्ष एवं फोर्स की मदद से धरदबोचा। आरोपी के कब्जे से दो पार्सल -एक में 504 ग्राम एम.डी. ड्रग एवं एक में 485 ग्राम एम.डी. ड्रग इस प्रकार कुल 989 ग्राम अवैध एम डी ड्रग्स एवं 1 किलो 70 ग्राम डोडा चूरा तत्स एक काले रंग की बिना नम्बर की मो.सा. एवं दो मोबाईल फोन कुल किमती 95 लाख के जप्त किए । आरोपी द्वारा एक बडा खुलासा करते हुए बताया कि उसके द्वारा 16 अक्टूम्बर को पारस बसोड एवं रिंकु चौधरी को 506 ग्राम एम. डी. ड्रग्स आगरा (उ.प्र.) मे किसी तस्कर को देने के लिए उपलब्ध कराई गई थी। विदित हो कि थाना प्रभारी सराफा सुरेन्द्र सिंह रघुवंशी द्वारा एवं टीम के द्वारा वरिष्ठ अधिकारीयों के मार्गदर्शन में 16 अक्टूम्बर को आरोपी पारस बसोड व रिंकु चौधरी को भी इलाका भ्रमण के दौरान सूझ बुझ एवं चतुराई के साथ धर दबोचा था। उक्त मामले मे पूछताछ के दौरान आरोपी पारस व रिकु ने भी फारुक खान के संबंध में काफी कुछ जानकारी दी थी। जिसके आधार पर थाना सराफा टीम द्वारा राजस्थान झालावाड पंहुच कर अपना मुखबिर तंत्र तैयार किया उसी मुखबिर तंत्र के तार जोडते हुए टीम को एक बड़ी उपलब्धि दोनो ही मामलो में प्राप्त हुई है। पुलिस द्वारा आरोपी फारुख खान को गिरफ्तार किया गया है जिसके विरुद्ध विवेचना के आधार पर अग्रिम वैधानिक कार्यवाही की जा रही है तथा आरोपी से अवैध ड्रग्स के नेटवर्क के संबंध में पूछताछ की जा रही हैं।

31 दिसंबर तक भरना होगा जीएसटी रिटर्न

अब जीएसटी में फॉर्म 2ए नहीं, 2बी के आधार पर क्लेम कर सकेंगे आईटीसी

इंदौर (ई)। जीएसटी व्यापारियों के लिए वित्तीय वर्ष 2023-24 का वार्षिक रिटर्न भरने का फॉर्म पोर्टल पर जारी हो गया है। रिटर्न भरने की आखिरी तारीख 31 दिसंबर है। व्यापारियों को रिटर्न भरने के लिए सिर्फ ढाई महीने का समय मिलेगा। इस बार आईटीसी क्लेम करने के लिए बड़ा बदलाव किया गया है। अब फॉर्म 2 ए की बजाय फॉर्म 2 बी के आधार पर आईटीसी ली जा सकेगी। 2 ए के आधार पर आईटीसी लेने के बाद हर साल मिसमैच की वजह से लाखों की संख्या में नोटिस जारी होते थे। इस साल सरकार ने रिटर्न फॉर्म में आईटीसी क्लेम करने से जुड़ी बहुत बड़ी परेशानी हल की है। पिछले साल तक ऐसा होता था कि व्यापारी इनपुट टैक्स क्रेडिट जीएसटीआर 2 बी के अनुसार लेता था, लेकिन वार्षिक रिटर्न में इनपुट टैक्स क्रेडिट का डेटा जीएसटीआर 2 ए के हिसाब से ऑटोपॉप्युलेट होता था यानी ऑनलाइन सिस्टम में अपलोड हो जाता था। इससे बहुत दिक्कत होती थी, क्योंकि 2 ए और 2बी के डेटा में फर्क होता है। इसकी वजह ये है कि 2 बी का आईटीसी का डाटा बदल नहीं सकता है जबकि 2 ए लगातार अपडेट होता रहता है। इस से व्यापारी 2 ए से आईटीसी की जानकारी लेते थे तो रिटर्न में मिसमैच हो जाते थे।

इस बार रिटर्न के फॉर्मेट में कोई भी बदलाव नहीं किया है-कोई डीलर जीएसटीआर-9 नहीं भर पाता है तो प्रतिदिन 100 रुपए का जुर्माना देना होगा। केंद्र के जीएसटी और राज्य के जीएसटी दोनों के लिए अलग-अलग 100 रुपए प्रतिदिन पेनाल्टी होती है यानी कि 200 रुपए प्रतिदिन। ये राशि सालाना टर्नओवर के 0.5 प्रतिशत से अधिक हो तो 0.5 प्रतिशत राशि ही पेनल्टी के रूप में देनी होगी । जीएसटी एक्सपर्ट मुकुल शर्मा के मुताबिक सरकार ने स्पष्ट किया है कि इस साल भरे जाने वाले रिटर्न में जो इनपुट टैक्स क्रेडिट दिखेगा, वह करदाता द्वारा हर महीने क्लेम की हुई जीएसटीआर 2बी से ही उठाया जाएगा । इससे किसी तरह की अनियमितता नहीं होगी। साथ ही जीएसटीआर 9 में रिटर्न भरने के अलावा जीएसटीआर 9 सी में ऑडिट रिपोर्ट खतों की जांच करके भी जमा करनी होगी।

कलेक्टर ने किया जिला अस्पताल,संजीवनी क्लीनिक और आंगनवाड़ी केंद्र का औचक निरीक्षण

इंदौर-कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने आज सुबह जिला अस्पताल,संजीवनी क्लीनिक और आंगनवाड़ी केंद्र का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बड़ी संख्या में डॉक्टर और अन्य स्टाफ अनुपस्थित पाये गए। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने अनुपस्थित पाए गए डॉक्टर और अन्य स्टाफ के विरुद्ध तुरंत ही कार्रवाई की है। निरीक्षण के दौरान उपस्थिति रजिस्टर चेक करने पर 26 डॉक्टर्स में से 11 डॉक्टर्स अनुपस्थित मिले जिनका उपस्थिति समय सुबह 9 बजे है एवं अस्पताल ओपीडी प्रारंभ होने का समय भी सुबह 9 बजे है। वहीं आयुष विंग के कुल 6 स्टाफ में से तीन अनुपस्थित पाये गये। तीन आयुष डॉक्टर्स भी अनुपस्थित मिले। नर्सिंग स्टाफ 39 में से 7 अनुपस्थित पाये गये। कलेक्टर द्वारा ज़िला अस्पताल के निर्माण कार्य की भी समीक्षा के गई ।कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने जिले के सभी डॉक्टर्स और अन्य पैरामेडिकल स्टाफ को निर्देश दिए हैं कि वे अपने निर्धारित समय पर अस्पताल में मौजूद रहे। निर्धारित समय पर अस्पताल नहीं पहुंचने वाले स्टाफ के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी।

एक-एक दिन के वेतन काटने की कार्रवाई-आयुष विंग के आयुष विशेषज्ञ डॉ शीतल सोलंकी, चिकित्सक बख्तियार अशरफी, कंपाउंडर कांजीलाल दामले का एक एक दिन का वेतन काटा जाएगा। उन्हें शो कॉज नोटिस देने की कार्रवाई भी की जाएगी।

आरएमओ का एक माह का वेतन राजसात-आरएमओ डॉ. सतीश नीमा का एक माह के वेतन को राजसात किया जायेगा। आरएमओ जिला अस्पताल की ज़िम्मेदारी होती है की वे अस्पताल के डॉक्टर की उपस्थिति सुनिश्चित करें। आरएमओ को भी नोटिस जारी किया गया है। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने अपने भ्रमण के दौरान पंचशील नगर तथा आजाद नगर स्थित संजीवनी क्लिनिक और आंगनबाड़ी केंद्र का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने क्लीनिक और आंगनबाड़ी केंद्र की विभिन्न व्यवस्थाओं को देखा। आंगनवाड़ी पंचशील नगर में पंजीकृत 103 बच्चों में से केवल एक बच्चा उपस्थित पाया गया। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने संबंधित विभागों को निरीक्षण के दौरान पाई गई कमियों को दूर करते हुए व्यवस्था सुधार के निर्देश दिए।

डीए की लंबित किश्तों के भुगतान करने पर बीईओ एवं जिला कोषालय अधिकारी को धन्यवाद ज्ञापित

इंदौर - इंदौर विकासखंड अंतर्गत कार्यरत शिक्षकों को गुरूवार को शासन द्वारा पूर्व में घोषित महंगाई भत्ते (डीए) की बकाया किश्तों का भुगतान करने पर शिक्षकों ने डीडीओ एवं विकासखंड शिक्षा अधिकारी शांतास्वामी भार्गव मेडम ,जिला कोषालय अधिकारी मोनिका कटारे व समस्त लिपिक संवर्ग को धन्यवाद ज्ञापित किया है !! पुरानी पेंशन बहाली संघ के जिलाध्यक्ष एवं शासकीय शिक्षक संगठन के प्रदेश प्रवक्ता दिनेश परमार ने बताया कि राज्य सरकार ने मार्च माह में चार फीसदी डीए बढ़ाया था, जिसका पिछले आठ माह के बकाया एरियर्स की राशि का तीन समान किश्तों में भुगतान क्रमशः जुलाई,अगस्त व सितम्बर माह में किया जाना था !! इसमें अधिकांश शिक्षकों को एक किश्त का भुगतान हो चुका था बकाया लंबित किश्तों के शीघ्र भुगतान करने की हमने मांग की थी !! बीईओ एवं जिला कोषालय द्वारा दीपावली पूर्व डीए का भुगतान करने पर शिक्षकों ने हर्ष जताते हुए संबंधित अधिकारियों को धन्यवाद ज्ञापित किया है ! इस अवसर पर शिक्षक संघ के प्रदेश मीडिया प्रभारी दिनेश परमार सहित प्राचार्य महेश खोटे, हेड अकाउंटेंट दिनेश पंवार, राहुल अहिरे, सिद्धार्थ जोशी, संतोष वाघमारे, ललित गुणे, संदीप शर्मा, ममता सोनाने ताई आदि उपस्थित थे !!

पेंच, कान्हा और बांधवगढ़ के लिए जल्द शुरू होगी पीएमश्री पर्यटन वायु सेवा

प्रदेश के तीन टाइगर रिजर्व के लिए उड़ान भरेगी एयर टैक्सी

इंदौर (ई)। देश में सर्वाधिक बाघों वाले राज्य के रूप में टाइगर स्टेट का दर्जा प्राप्त मध्यप्रदेश में अब प्रमुख तीन टाइगर रिजर्व जाने के लिए हवाई सवारी भी मिलेगी। मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग द्वारा शुरू की गई पीएमश्री पर्यटन वायु सेवा एयर टैक्सी जल्द ही प्रदेश के तीन टाइगर रिजर्व पेंच, कान्हा और बांधवगढ़ के लिए उड़ान भरेगी। इससे पर्यटकों के लिए यहां तक जाना-आना काफी आसान हो जाएगा।

पर्यटन विभाग द्वारा एयर टैक्सी के संचालन का मकसद ही प्रदेश के प्रमुख पर्यटन क्षेत्रों तक सीधी हवाई सेवा शुरू करना था। अभी यह उड़ानें भोपाल, इंदौर सहित प्रदेश के 8 शहरों के बीच संचालित हो रही हैं। जल्द ही पर्यटन विभाग इनका विस्तार करने जा रहा है। इसके तहत प्रदेश के तीन नेशनल पार्क तक सीधी उड़ानें शुरू करने की योजना तैयार की गई है। इसका मकसद टाइगर स्टेट में आने वाले पर्यटकों को टाइगर रिजर्व नेशनल पार्क तक पहुंचने के लिए आसान सफर उपलब्ध करवाना है।

हवाई पट्टियों की हो रही जांच-प्रदेश का सबसे बड़ा नेशनल पार्क कान्हा बालाघाट और मंडला जिले में स्थित है। वहीं पेंच नेशनल पार्क मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र की सीमा पर सिवनी और छिंदवाड़ा जिले में मौजूद है। वहीं बांधवगढ़ उमरिया जिले में स्थित नेशनल पार्क है। इन सभी स्थानों पर हवाई पट्टियां मौजूद हैं। पर्यटन विभाग यहां एयर टैक्सी शुरू करने के लिए इनकी जांच कर रहा है और जल्द ही सारे क्लीयरेंस मिलते ही यहां के लिए सीधी उड़ानें शुरू कर दी जाएंगी।

भोपाल को भी मिल सकता है सीधा कनेक्शन-इन उड़ानों को संचालित करने के लिए पर्यटन विभाग और उड़ानों का संचालन करने वाली जेट सर्व एविएशन प्रालि फ्लायओला कंपनी विस्तृत योजना तैयार कर इसी हफ्ते शेड्यूल जारी करने वाली है। अब तक यह तय नहीं हुआ है कि किस नेशनल पार्क के लिए किस शहर से सीधी उड़ान मिलेगी, लेकिन इस बात की पूरी संभावना है कि भोपाल से भी नेशनल पार्क के लिए सीधी उड़ानें मिलेंगी।

इनका कहना है-मध्यप्रदेश के तीन प्रमुख टाइगर रिजर्व कान्हा, पेंच और बांधवगढ़ के लिए पीएम श्री पर्यटन वायु सेवा की उड़ानें शुरू करने की योजना तैयार की जा रही है। इसके लिए इन सभी स्थानों पर हवाई पट्टियों को भी देखा जा रहा है। उम्मीद है कि जल्द ही इनका शेड्यूल जारी करने के साथ बुकिंग शुरू की जाएगी और संभवतः इसी माह से उड़ानों का संचालन भी शुरू हो जाएगा।

- अंकित कौरव, कंपनी सेक्रेटरी, मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग

विचार प्रवाह

छूटी सारी, यारी यारो...

हले ज़ब हम बच्चे हुआ करते थे तो पूरे गाँव में जिनके चार बच्चे होते या पाँच,छह सबकी ड्रेस या कपड़े एक ही थान से कटवाकर सिलवा दिए जाते थे। जिससे पता चल जाता कि ये सब भाई-बहन ही हैं। एक ही दिन सबकी कटिंग होती थी। एक ही दिन में बैलगाडी पर बैठालकर पिताजी बाज़ार ले जाते थे। बाज़ार जाते तो हम जरूर थे पर बाज़ार में किसी की कोई चलती ऐसा हमको तो याद नहीं है। अगर ज़िद करी तो धमर कुटाई नेक देर में हो जाती थी,जो बचपन में आम बात थी,है और रहेगी...। ये तो अनवरत सनातन प्रकिया है बड़े बडेरे ज़ब बच्चों क़ो पीट-पाट लेते हैं तो खुद क़ो सिकंदर से कम नहीं समझते थे, हैं और रहेंगे...। गाँव से गंज जाने के लिए पक्की सड़क नहीं थी। या यूँ कहा जाए तराई के किसी गाँव में पक्की सड़क देखने क़ो नहीं मिलती थी। सन 2000 के आसपास गाँव से बस्तर तक़ सड़क पड़ी थी। सड़क पर मिट्टी तो जेसीबी मशीन से पड़ी थे लेकिन पत्थर बिछाने का काम सतऊ जात के लोगों ने किया था। जिसमें हम और हमारा परिवार भी दत्तचित्त काम किया था। रात में डुका-मिचौनी का खेल होता था। कभी इस झोपड़ी में, कभी उस झोपड़ी में, कहीं किसी का मकोला लगा होता उसमें घुस जाते थे। कभी धान की पुआल में। न डर था, न दहशत थी। जब आज सोचता हूँ तो रूह काँप जाती है। अगर साँप कीड़ा होता और खा लेता तो क्या आज होते...? और हम बच्चों में शायद ही कोई ऐसा बच्चा बचा होगा जिसके पैर के नाखून एक दो बार न बाहर हुए हों। खड़ंजे भट्ठा से निकली चटका ईंट के बनाए जाते थे...। जिसपर बरसात के बाद चलना मुश्किल होता लेकिन चलते थे, फूटते थे। कभी भी डॉक्टर के पास नहीं जाते थे। कुछ बच्चे तेतालिस के बंडल का चिप्पा चिपका लेते, कोई पाँव पर मूत लेता था, तो कोई काला भँवरा के पत्ते मसल कर उसका अर्क ड़ाल लेता था। समय बदला और बच्चों के खेल बदलते गए गुचिया, डुका मिचौनी अंटपिल, कोनीघिस्सा से हम बच्चों पर क्रिकेट का भूत चढ़ने लगा था। पूरा-पूरा दिन घर से बाहर दोपहरी - तिजारी खेलते फिर भी मन न भरता था। एक दिन अमित जो मेरा जिगरी यार था ।अब इस दुनिया में नहीं है। खेल रहे थे वो वैटिंग कर रहा था और मैं कीपिंग बल्ला टूटा और मेरी भोंह के ऊपर लगा खून की तिल्ली चली थी। फिर वो दिन और आज का दिन बल्ला नहीं पकड़ा...।पढ़ाई के साथ खेल जरूरी है ये बात आज भी हमारे गाँव देहात में माँ-बाप नहीं समझते हैं। कहते थे देखो या तो पढ़ाई-लिखाई करि लेउ या खेलि लेऊ जे दोनों ओठपाय संग-संग नाय हुइ पांगे! समझे रे औलादों और फिर खेल के मैदान क़ो छोड़कर पढ़ाई के प्रांगण में आ धमके।

बचपन बीता, खेल भी छूटे
छूटी सारी यारी यारो।
किस नौकरी में फँसे हो?
हो गई बहुत कमाई यारो।

- राजकुमार बघेल प्रभात अश्म

संगीत की एक शाम आयोजित

इंदौर (संदीप सोनी) जे के म्यूजिकल इवेंट द्वारा संगीत की एक शाम जाल सभा गृह इंदौर में आयोजित की गई जिसमें मुकेश , रफी और किशोर कुमार के गीतों पर आधारित गीतों की प्रस्तुतियां दी गई। प्रसिद्ध गायक , संगीत कार, निर्माता निर्देशक बाबू राजोरिया ने गायिका पार्वती के साथ गीत धूप में निकला ना करो रूप की रानी से कार्यक्रम की शुरुआत की। इसके बाद राजेश दीवान , मधु परमार , हिमांशु जैन एवम् अन्य कई गायक गायिकाओं ने अपनी अपनी प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम के अंत तक संगीत प्रेमी एक से बढ़कर एक गीतों का आनंद लेते रहे। कार्यक्रम का संचालन राजेश गोधा ने किया एवम् आयोजक यशवंत खंडागले ने आभार व्यक्त किया ।

उधना-गया-वडोदरा त्यौहार स्पेनशल ट्रेन का परिचालन

इन्दौर ; दीपावली एवं छठ पूजा के दौरान यात्रियों की अतिरिक्तप भीड़ को समायोजित करने के लिए पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल से होकर उधना से गया एवं गया से वडोदरा के मध्य एक-एक फेरा स्पेरशल ट्रेन स्पे?शल किराये पर चलेगी। गाड़ी संख्यां 09011 उधना गया स्पेसशल 25 अक्टूकबर शुक्रवार को उधना से रात्रि 22.00 बजे चलकर रतलाम मंडल के दाहोद (02.50/02.52, शनिवार), रतलाम (05.00/05.10), नागदा (05.50/05.52), उज्जै्न (07.10/07.15) एवं मक्सीं (08.00/08.02) होते हुए रविवार को प्रात- 07.00 बजे गया स्टे शन पहुँचेगी। इसी प्रकार वापसी में गाड़ी संख्याश 09012 गया वडोदरा स्पे शल 27 अक्टूीबर दिन रविवार को गया से 10.00 बजे चलकर रतलाम मंडल के मक्सी(07.55/07.57, सोमवार), उज्जैन(08.40/08.45), नागदा(09.25/09.27), रतलाम(10.00/10.10) एवं दाहोद (11.30/11.32) होते हुए सोमवार को 14.00 बजे वडोदरा रेलवे स्टेदशन पहुँचेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में वडोदरा, गोधरा, दाहोद, रतलाम, नागदा, उज्जैरन, मक्सी, संतहिरदाराम नगर, बीना, दमोह, कटनी, मैहर, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, चुनार, पं. दीनदयाल उपाध्यारय सासाराम एवं डेहरी ओन सोन रेलवे स्टेछशनों पर रुकेगी। गाड़ी संख्याा 09011 उधना गया का सायण एवं भरूच रेलवे स्टौशनों पर भी ठहराव दिया गया है। यह ट्रेन सेकंड एसी कम थर्ड एसी, स्ली?पर एवं सामान्य् श्रेणी कोच के साथ चलेगी।

सुमित सोनी विधानसभा 2 नंबर के प्रभारी नियुक्त

इंदौर केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के आशीर्वाद से एवं राजमाता विजयराजे सिंधिया फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ दिलीप यादव प्रदेश अध्यक्ष लोकेश पवार की सहमति से इंदौर जिला अध्यक्ष दीपक चौरसिया की अनुशंसा से सुमित सोनी को इंदौर जिला विधानसभा 2 नंबर का प्रभारी नियुक्त किया गया है..!

स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. के 'संवाद' कार्यक्रम में कलेक्टर की खास घोषणा

आवास सुविधा के लिए उज्जैन में 2400 कमरों के भक्त निवास का निर्माण शुरू

उज्जैन, राष्ट्रीय जनभावना। धार्मिक पर्यटन की दृष्टि से उज्जैन आने वाले महाकाल के भक्तों की आवास समस्या पर पहली मर्तबा ध्यान दिया जा रहा है। उज्जैन में बगैर शासन के सहयोग और दानदाताओं की मदद से 2400 कमरों वाले भक्त निवास का निर्माण आरम्भ हो गया है। प्रशासनिक संकुल में आयोजित स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. के 'संवाद' कार्यक्रम में श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष एवं कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने पहली मर्तबा इस योजना का विस्तार से खुलासा किया। श्री सिंह ने बताया कि महाकाल लोक की स्थापना के बाद उज्जैन में रोजाना देश भर से हजारों की संख्या में श्रद्धालु आ रहे हैं। पिछले दो वर्षों से उज्जैन की होटल, लॉज और धर्मशालाएं इस संख्या के मान से कम पड़ रहे हैं। कुछ वर्षों बाद सिंहस्थ का आयोजन भी है। तमाम हालातों के मद्देनज़र श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति ने जनसहयोग और दान के माध्यम से 2400 कमरों का भक्त निवास बनाने का कार्य आरम्भ कर दिया है। अगले माह एक वेबसाइट लॉन्च की जाएगी, जिसके माध्यम से देश-विदेश के दानदाताओं से सहयोग की अपील की जाएगी।

उन्होंने बताया कि हरि फाटक मार्ग पर जहां पर यूनिटी मॉल बन रहा है उसके सामने 2400 कमरों की धर्मशाला का निर्माण प्रारंभ हो चुका है। उज्जैन विकास प्राधिकरण यहां पर प्राथमिक कार्य कर रहा है जिसमें समतलीकरण से लेकर स्ट्रक्चर बनाने का कार्य तेजी से जारी है। जब यह स्ट्रक्चर तैयार हो जाएगा तो भक्त निवास के वृहद निर्माण के लिए टेंडर जारी किए जाएंगे।

कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि सिंहस्थ 2028 में 15 करोड़ श्रद्धालुओं के आगमन के मद्देनजर उज्जैन में विकास कार्यों की रूपरेखा बनाई गई है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सिंहस्थ कार्यों की शुरुआत कर दी है जिसमें मेडिकल कॉलेज, हवाई अड्डा, मेट्रो ट्रेन, रोप-वे, कई फ्लाय ओवर ब्रिज, फोर लेन, सिक्स लेन, मल्टीलेवल पार्किंग स्थल, अन्न क्षेत्र, लाईट एंड साउंड शो, रूद्र सागर ब्रिज आदि का निर्माण किया जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि सभी कार्यों को निर्धारित समय से एक वर्ष पूर्व पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। शिप्रा नदी एवं कान्ह नदी की सफाई, घाटों के जीर्णोद्धार, पेयजल परियोजना एवं विद्युत् परियोजनाओं पर भी सजगता से ध्यान दिया जा रहा है।

प्रारम्भ में स्टेट प्रेस क्लब म.प्र. के अध्यक्ष प्रवीण खारीवाल ने कलेक्टर श्री सिंह को मीडियाकर्मियों की उज्जैन यात्रा की जानकारी दी। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत जयति सिंह, सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल एवं सहायक संचालक जनसंपर्क रोमिल उइके भी विशेष रूप से मौजूद थे। सभी का स्वागत घनश्याम पटेल, यशवर्धन सिंह, राजेंद्र कोपरगांवकर, बृजेश परमार, प्रकाश त्रिवेदी, प्रमोद व्यास, मीना राणा शाह, पुष्पा यादव, पुष्कर सोनी, गोविन्द लाहोटी 'कुमार' ने किया। अंत में प्रवीण धनोतिया ने आभार व्यक्त किया।

महाकालेश्वर के दर्शन

स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. के नेतृत्व में मीडियाकर्मियों के 50 सदस्यीय दल ने श्री महाकालेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चन एवं नंदी गृह से महाकाल बाबा के दर्शन किए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक उज्जैन प्रदीप शर्मा एवं सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल ने सभी मीडियाकर्मियों का सम्मान किया एवं प्रसादी भेंट की। मीडियाकर्मियों ने अन्न क्षेत्र में प्रसाद ग्रहण किया। यात्रा का शुभारम्भ गांधी हॉल परिसर से भाजपा के जिलाध्यक्ष चिंटू वर्मा ने झंडी दिखा कर किया।

अब दूर के दर्शन ही सुहा रहे हैं महाकाल के दरबार में

श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या के मद्देनज़र आमजन का गर्भ गृह में प्रवेश संभव नहीं

उज्जैन। बारह ज्योतिर्लिंगों में अव्वल महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग की गर्भगृह से पूजा-अर्चना और जल चढ़ाने की कामना रखने वाले श्रद्धालुओं को निराशा हाथ लगने वाली है। महाकाललोक बनने के बाद श्रद्धालुओं की संख्या में बेतहाशा वृद्धि के चलते महाकालेश्वर मंदिर प्रशासन ने आम जनता के लिए गर्भगृह प्रवेश के इरादे को त्याग दिया है। उज्जैन में जबसे महाकाललोक की स्थापना हुई है तभी से वहां श्रद्धालुओं की भीड़ ने नित नए कीर्तिमान बनाना शुरू कर दिए हैं। मंगलवार से शुक्रवार तक तकरीबन एक लाख से अधिक और शेष शनिवार, रविवार और सोमवार को दो-ढाई लाख से ज्यादा भक्त उज्जैन पहुँच रहे हैं। वार-त्यौहार और राष्ट्रीय अवकाश की बात तो अलहदा ही है। आधिकारिक जानकारी के अनुसार उज्जैन में डेढ़ वर्ष से महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग पर जल चढ़ाने की व्यवस्था पर रोक लगाई हुई है। कुछ समय तक यह व्यवस्था चली अलबत्ता मंदिर प्रशासन ने जल चढ़ाने के लिए 750 रुपए का शुल्क भी निर्धारित किया था लेकिन प्रबंधन के लिहाज से जल्द ही इस विशेष व्यवस्था पर रोक लगानी पड़ी। अब अतिविशिष्टजनों के अलावा किसी को भी गर्भगृह में प्रवेश की अनुमति नहीं है। सूचीबद्ध पुजारियों को भी क्रमानुसार श्रृंगार-पूजा, भस्मारती की अनुमति मिलती है। स्टेट प्रेस क्लब, म.प्र. के 'संवाद' कार्यक्रम में अध्यक्ष प्रवीण खारीवाल ने गर्भगृह में प्रवेश की संभावनाओं पर कलेक्टर एवं अध्यक्ष श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति से सीधी बात की। कलेक्टर नीरज कुमार सिंह ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट कि गाइडलाइन और पुरातत्व विभाग की सिफारिशों के मद्देनज़र श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग में और मंदिर परिसर पर कुछ पाबंदियां लागू की गई हैं। उन्होंने बताया कि पुजारियों द्वारा ज्योतिर्लिंग पर चढ़ाने वाली सामग्री और पानी भी क्वालिटी जांच के बाद उपयोग हो रहा है ताकि ज्योतिर्लिंग का क्षरण रुक सके। अध्यक्ष श्री सिंह ने बताया कि सशुल्क जल चढ़ाने वाली सुविधा पर रोक लगाने की बड़ी वजह गर्भगृह में प्रवेश के दौरान द्वार से भीतर-बाहर जाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या है। अनुमानित सात-साढ़े सात हजार श्रद्धालुओं के आवागमन की वजह से हजारों श्रद्धालुओं को रेलिंग और नंदी सभागृह से दर्शन में दिक्कत आ रही थी। इस मुद्दे पर जनप्रतिनिधियों और मंदिर समिति में कई मर्तबा चर्चा हुई लेकिन इस अड़चन के बाद सभी इस बात पर सहमत नज़र आए कि इस से ही दर्शन व्यवस्था में हजारों दर्शक लाभान्वित रहेंगे। डेढ़-दो लाख श्रद्धालुओं को महाकाल बाबा के दर्शन अनवरत बगैर अड़चन के हो सके इसलिए अब गर्भगृह प्रवेश की अनुमति पर विचार नहीं हो रहा है। कलेक्टर श्री सिंह ने बताया राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल, मुख्यमंत्री जैसे अतिविशिष्टजनों एवं बड़े संतों को गर्भगृह में प्रवेश की अनुमति दी जाती है। अपवाद स्वरुप कुछ वीआईपी एकाएक गर्भगृह में चले जाते हैं तो प्रोटोकाल कर्मचारियों पर कार्यवाही भी होती है।

इसलिए एमपीएनआरसी ने कॉलेजों को मान्यता देने के लिए तैयार किए शेड्यूल को रिवाइज्ड किया था। इसमें मान्यता की अंतिम तारीख को 29 के स्थान पर 17 अक्टूबर किया गया था। लेकिन इस दौरान भी मान्यता जारी हुई। कोर्ट के आदेश पर एमपीएनआरसी ने सीबीआई जांच में अनसुटेबल कॉलेज के लिए पोर्टल खोला था।इंडियन नर्सिंग काउंसिल (आईएनसी) ने एडमिशन की अंतिम तारीख 31 अक्टूबर तय की है। इसके बाद मप्र में बीएससी नर्सिंग में एडमिशन के लिए बहुत ही कम समय मिलेगा। इसको लेकर एमपीएनआरसी ने आईएनसी को पत्र लिखकर एडमिशन की अंतिम तारीख को बढ़ाने के लिए अनुरोध किया है। हालांकि तारीख बढ़ेगी इसको लेकर अभी स्थिति स्पष्ट नहीं है।

भावेश नाहर पत्रकार को भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट में इंदौर-उज्जैन के संभागीय मीडिया प्रभारी नियुक्त

देवास, राष्ट्रीय जनभावना। भारतीय मानव अधिकार सहकार ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुनील सिंह यादव के आदेशानुसार एवं देवास जिला संरक्षक श्रीमती ज्योति बाघमोडे की अनुशंसा पर राष्ट्रीय सचिव शिवम तिवारी ने भावेश नाहर को इंदौर-उज्जैन का संभागीय मीडिया प्रभारी नियुक्त किया है। श्री नाहर की नियुक्ति पर स्नेहियों, समाजजनों एवं पत्रकार साथियो ने हर्ष व्यक्त करते हुए संगठन से उम्मीद रखी कि समाज सेवा के लिए आपके द्वारा टीम गठित कर मानवाधिकारों की रक्षा हेतु एवं भ्रष्टाचार, कन्या भ्रूण हत्या, जल संरक्षण, ग्लोबल वार्मिंग, जन कल्याणकारी योजना आदि के निवारण के लिए जन अभियान चलाकर आम जनता की निस्वार्थ भाव से सेवा की जाएगी तथा समस्त विधि सम्मत कार्य किये जाकर संगठन के नियमो का पूरी तरह से पालन किया जायेगा।

अहमदाबाद-जयनगर-अहमदाबाद त्यौहार स्पे शल ट्रेन का परिचालन

इन्दौर; दीपावली एवं छठ पूजा के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने के लिए पश्चिम रेलवे रतलाम मंडल से होकर जयनगर-अहमदाबाद-जयनगर के मध्यव दोनों दिशाओं में एक-एक फेरा स्पेहशल ट्रेन स्पे-शल किराये पर चलेगी।गाड़ी संख्याए 09467 अहमदबाद जयनगर स्पेसशल 25 अक्टूबर दिन शुक्रवार को अहमदाबाद से 16.35 बजे चलकर रतलाम मंडल के रतलाम(22.00/22.10, शुक्रवार), नागदा(22.38/22.40) एवं उज्जै9न(23.45/23.50) होते हुए रविवार को 07.30 बजे जयनगर स्टेएशन पहुँचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या. 09468 जयनगर अहमदाबाद स्पे शल 27 अक्टूबर दिन रविवार को जयनगर से 10.30 बजे चलकर रतलाम मंडल के उज्जै7न(16.55/17.00, सोमवार), नागदा(17.55/17.57) एवं रतलाम (19.00/19.10) होते हुए मंगलवार को 01.10 बजे अहमदाबाद रेलवे स्टेमशन पहुँचेगी। इस ट्रेन का दोनों दिशाओं में नडियाड, छायापुरी, रतलाम, नागदा, उज्जैन, संतहिरदाराम नगर, बीना, दमोह, कटनी मुड़वारा, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी, मिर्जापुर, पं. दीनदयाल उपाध्या)य, बक्ससर, आरा, पाटलिपुत्र, हाजीपुर, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, दरभंगा एवं मधुबनी रेलवे स्टे,शनों पर ठहराव दिया गया है। यह ट्रेन फर्स्टि एसी, सेकंड एसी, थर्ड एसी, स्ली,परझ एवं सामान्य् श्रेणी कोच के साथ चलेगी।

डॉ. सहजप्रीत सिंह छाबड़ा को मिला सम्मान

इंदौर : केंद्रीय कर्मचारी कल्याण समन्वय समिति इंदौर द्वारा सीजीओ कॉम्प्लेक्स में आयोजित स्वास्थ्य परीक्षण शिविर में वी - वन हॉस्पिटल के आर्थोपेडिक सर्जन डॉ. सहजप्रीत सिंह छाबड़ा ने केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनरों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें उचित परामर्श दिया। इस शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया और डॉ. छाबड़ा के परामर्श से लाभान्वित हुए। शिविर के संयोजक और डीआरडीओ के पूर्व मुख्य प्रशासनिक अधिकारी पुरुषोत्तम वाघमारे ने केंद्रीय कर्मचारी कल्याण समन्वय समिति की ओर से डॉ. सहजप्रीत सिंह छाबड़ा को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर डॉ. स्नेहा छाबड़ा भी उपस्थित थीं।

डॉ. सहजप्रीत सिंह छाबड़ा एक प्रसिद्ध आर्थोपेडिक सर्जन हैं और उन्होंने इस शिविर में अपनी विशेषज्ञता का प्रदर्शन किया। उन्होंने कर्मचारियों और पेंशनरों को हड्डियों और जोड़ों से संबंधित विभिन्न समस्याओं के बारे में जागरूक किया और उपचार के विकल्पों के बारे में बताया।

विशाल लोहिया जिला उपाध्यक्ष नियुक्त

इन्दौर; केंद्रीय मंत्री महाराज ज्योतिरादित्य सिंधिया के आशीर्वाद से एवं राजमाता विजयराजे सिंधिया फाउंडेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ दिलीप यादव प्रदेश अध्यक्ष लोकेश पवार की सहमति से इंदौर जिला अध्यक्ष दीपक चौरसिया की अनुशंसा से विशाल लोहिया को जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है..!

स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण मे योग की महत्ती भूमिका -मनीष जैन

सैलाना। योग साधना राष्ट्र की प्राचीन पद्धतियों मे शुमार है जिसे ऋषि स्वामी रामदेव जी महाराज ने स्वस्थ राष्ट्र निर्माण अभियान के तहत देश के कोने कोने मे योग पद्धति को जीवित किया है यह उद्घोषन पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के मार्गदर्शन मे ÷गांव गांव जाएंगे योग शिविर लगाएंगे ÷लक्ष्य को लेकर नगर के ओशिन परिसर मे आयोजित तीन दिवसीय निःशुल्क इंटिग्रेटेड योग शिविर के दूसरे दिन एसडीएम मनीष जैन ने बतौर मुख्य अतिथि व्यक्त किए। जनपद पंचायत के सयोंजक मे आयोजित शिविर को बैंक ऑफ़ बड़ोदा रतलाम की मैनेजर पूजा बागड़ी, युवा राज्य प्रभारी प्रेम पुनिया जिला पतंजलि प्रभारी उत्तम शर्मा, राजेश चंदवानी, हरीश यादव, राकेश, पिस्ता यादव,जयश्री राठौड़ ने भी अपने सम्बोधन मे स्वस्थ जीवन के लिए योग कितना महत्वपूर्ण को लेकर विस्तार से प्रकाश डाला। जनपद पंचायत के मुख्यकार्यपाल अधिकारी गोर्वधन मालवीय, पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष जगदीश पाटीदार, जितेंद्र सिंह राठौर,पंचायत सचिव मोतीलाल भाभर, नाथूलाल राठौर जीवन लाल भाभर किशोर परिहार, कैलाश वसुनिया, जगदीश डामर, लक्ष्मण चारेल गोरधन बिलवाल, रमेश राणा, राकेश भाभर सहित बड़ी संख्या मे योगार्थी उपस्थित थे। गुरुवार को शिविर का समापन होंगा।

स्वास्थ्य विभाग की टीम ने घर-घर जाकर की फीवर सर्वे की जांच

सैलाना। नगर में मलेरिया डेंगू एवं चिकनगुनिया के लक्षण वाले मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी को देखते हुए मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आनंद चन्देलकर व मलेरिया अधिकारी प्रमोद प्रजापति के निर्देशन में ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉ. पीसी कोली एवं डॉ. जितेंद्र रायकवार के निर्देशन में स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा सैलाना नगर के समस्त वार्डों में सैलाना कॉलेज आफ नर्सिंग के प्राचार्य श्री रोहित कुमार शर्मा के सहयोग से कॉलेज छात्र छात्राओं की टीम द्वारा घर-घर जाकर के बुखार रोगियों की जांच की गई साथ ही घर-घर पानी की कटेनर मैं पानी को चेक किया गया एवं लार्वा पाए जाने पर पाए तुरंत पानी के बर्तनों को खाली करवाए गए सर्वे के दौरान कोई भी मलेरिया पॉजीटिव मरीज नहीं पाया गया सर्वे टीम में मलेरिया टेक्निकल सुपरवाइजर मुकेश खागुड़ा, धन सिंह रावत बीपीएम, एलएचवी सरिता ,इंदिरा चौहान ,अनीशा खान एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मी शामिल थे।

सहकारिता के माध्यम से गांव, शहर का विकास कर सकते हैं -शरद जोशी

रतलाम । सहकारी आंदोलन एक दूसरे को जोड़ने का काम करता है . इसके माध्यम से हम आगे बढ़ सकते हैं . वर्तमान परिपेक्ष में यह और ज्यादा प्रासंगिक हो गया है . सहकारिता के माध्यम से हम अपने गांव शहर का विकास कर सकते हैं . उक्त विचार वरिष्ठ पत्रकार एवं सहकारी नेता शरद जोशी ने राष्ट्रीय सहकारी शिक्षा केंद्र नई दिल्ली एवं जिला सहकारी संघ रतलाम के तत्वावधान में दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्थाओं के संचालको हेतु तीन दिवसी नेतृत्व विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम में व्यक्त किए . कार्यक्रम का आयोजन रतलाम स्थित निजी होटल के सभागृह में किया गया . श्री जोशी ने कहा कि संस्था के संचालकों को जागरूक रहकर कार्य करना चाहिए तथा निरंतर सीखते रहना चाहिए संचालक जितने जागरूक होंगे संस्थाएं उतनी मजबूत होगी . इस अवसर पर सहकारी प्रशिक्षण केंद्र के पूर्व प्राचार्य के एल राठौर ने कहा कि सहकारी संस्थाएं सदस्यों का सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रदान करती है . पूर्व प्राचार्य निरंजन कुमार कसारा ने बताया कि आने वाला आर्थिक विकास का मॉडल सहकारी आंदोलन को सशक्त बनाएगा . कार्यक्रम के प्रारंभ में स्वागत भाषण जिला सहकारी संघ के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अनि. द्ध शर्मा ने दिया . नेतृत्व विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 24 से 26 अक्टूबर 2024 तक आयोजित किया जा रहा है . कार्यक्रम के प्रथम दिवस रतलाम जिले की दुग्ध उत्पादक सहकारी संस्थाओं के अध्यक्ष उपाध्यक्ष एवं संचालकों ने भाग लिया . कार्यक्रम का संचालन जिला सहकारी संघ के जनसंपर्क अधिकारी श्री पिंकेश भट्ट ने किया .

भाजपा की सदस्यता अभियान में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का दु. पयोग

रतलाम। शहर कांग्रेस के एक प्रतिनिधि मंडल ने महिला एवं बाल विकास अधिकारी रजनीश सिन्हा से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मांग की गई है कि विगत कई दिनों से भारतीय जनता पार्टी के सदस्यता अभियान में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं का उपयोग फर्जी सदस्य बनाने में किया जा रहा है। कई वार्डों से शिकायत प्राप्त हुई की आंगनबाड़ी कार्यकर्ता घर-घर जाकर फोन पर ओटीपी लेकर सदस्य बना रहे हैं। शहर कांग्रेस कमेटी की तरफ से मांग की गई की इस पूरे संबंध में जांच कर आवश्यक निर्देश जारी किया जाए। वह दोषी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं पर कार्यवाही की जाए। प्रतिनिधि मंडल में शहर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष महेंद्र कटारिया, नगर निगम नेता प्रतिपक्ष शांतिलाल वर्मा, उप नेता कम डीन कछवाय, वरिष्ठ पार्षद नासिर कुरेशी, पार्षद प्रतिनिधि शाकिर खान उपस्थित थे। महिला एवं बाल विकास अधिकारी ने इस संबंध में उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

सीएम राईज स्कूल को विश्व के 10 सर्वश्रेष्ठ स्कूलों में शामिल होने का खिताब

छात्र-छात्राएं शिक्षक और पलक खुशी से झूम उठे

रतलाम। विश्व के 100 देश के हजारों स्कूलों से टक्कर में प्रथम स्थान प्राप्त करने का एलईडी स्क्रीन पर इंग्लैंड के लंदन से वर्चुअल अनॉउंसमेंट हुआ तो छात्र-छात्रा में शिक्षक और पलक्कड़ खुशी से झूम उठे। 100 से ज्यादा देशों के स्कूलों में इनोवेशन समेत 4 श्रेणियों में प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। इसमें अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त अमेरिका, यूरोप, अफ्रीका, ऐशियाई देशों के बड़े-बड़े नीजि स्कूलों ने भी भाग लिया था। रतलाम के सीएम राईज स्कूल को इसी साल शुरुआती चरण में विश्व के 10 सर्वश्रेष्ठ स्कूलों में शामिल होने का खिताब मिला था। इसके बाद 19 सितंबर को ही तीन सर्वश्रेष्ठ में स्थान बनाया था। 24 अक्टूबर को हुए ग्लोबल अनाउंसमेंट में इस स्कूल ने आखिरकार दौड़ में सर्वश्रेष्ठ बनकर ही दम लिया है।

अतिथियों ने सराहा, कहा भारत के लिए गर्व

इस दौरान कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रतलाम महापौर प्रहलाद पटेल ने कहा कि केंद्र और मध्यप्रदेश सरकार ने जब पीएमश्री और सीएम राईज स्कूलों की अवधारणा जब रखी गई थी तो यही सोच थी कि सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को भी विश्व स्तरीय शिक्षा मिले। गर्व का विषय है कि रतलाम के सीएम राईज स्कूल ने इसे चरितार्थ किया है। शिक्षा और सेवा का कार्य करने वाली संस्था पीपल की प्रदेश सीईओ कृति भरुचा ने कहा कि पीपुल्स ने सीएम राईज की अवधारणा को पूरे प्रदेश में सरकार के साथ मिलकर धरातल पर उतारने के लिए लगातार मेहनत को हर कदम पर देखा है। टीम लीडर गजेंद्र सिंह राठौर और शिक्षकों ने इस सोच को सच बनाया है। यह वैश्विक उपलब्धि ही नहीं अपने आप में खिताब है जो अन्य स्कूलों को भी प्रेरित करेगा। विद्यालय प्राचार्य संध्या वोहरा ने कहा कि सीएम राइज से जुड़े पूरे अमले, शिक्षा विभाग के अधिकारियों, स्कूल के स्टाफ और सबसे महत्वपूर्ण विद्यार्थियों और अभिभावकों का सहयोग रहा। पीपुल्स संस्था ने भी हर कदम पर बहुत सहयोग दिया और टी 4 से जुड़कर यहां तक पंहुचने में इनकी भूमिका बहुत बड़ी है।

कभी नहीं सोचा था आएगा ये दिन

स्कूल के वाइस प्रिंसिपल गजेंद्र सिंह राठौर ने कहा कि -हमने कभी नहीं सोचा था कि हमारे जीवन में एक दिन ऐसा भी आएगा जब हमारा स्कूल दुनिया में अव्वल आएगा। जब स्कूल आते थे तो केवल अपनी चुनौतियों से निपटने के बारे में सोचते थे। लेकिन हम नए विचार लेकर आते थे और उन्हें वास्तविकता में बदलने के लिए हर दिन संघर्ष करते थे। अंतर्राष्ट्रीय संस्था टी4 एजुकेशन द्वारा किये गए चयन ने हमारी सरकार को सम्मान दिया है जो प्रदेश में अपनी योजनाओं से शिक्षा व्यवस्था को लगातार सशक्त बना रही है। हमारे साथियों और बच्चों की मेहनत ने यह साबित कर दिया है कि कि छोटे शहरों में किए गए प्रभावी नवाचारों को भी विश्व स्तर पर मान्यता मिल सकती है।

मुख्यमंत्री समेत चारों ओर से मिली सराहना

प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रतलाम विनोबा स्कूल की उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पूरी टीम और विशेषकर यहां तक पंहुचाने वाले हर व्यक्ति की मेहनत का परिणाम है। हमारा प्रयास यही है कि छोटे से छोटे शहर तक शिक्षा सशक्त रूप से प्रभावी हो क्योंकि शिक्षा की भविष्य को मजबूत करने का सबसे अहम औजार है। प्रदेश के शिक्षामंत्री राव उदयप्रताप सिंह ने कहा कि रतलाम के इस स्कूल ने देश के लिए गर्व हासिल किया है। यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि है जहां हमने यूएस, यूके, स्पेन, ब्राजील, केन्या, थाईलैंड के साथ मुकाबले करते हुए उनसे आगे निकलकर दिखाया है।

प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्री और रतलाम विधायक चैतन्य काश्यप ने कहा कि - रतलाम के लिए नहीं बल्कि भारत के शिक्षा जगत के लिए हैं। यह संदेश है कि भारत में छोटे से छोटे शहर में शिक्षा के क्षेत्र में जागरूक करने का, नवाचार करने का प्रयास चल रहा है। मैं रतलाम से होने पर गर्व महसूस कर रहा हूं। इस स्कूल के विद्यार्थी भी प्रशंसा के पात्र हैं जिन्होंने नवाचारों के अनुरूप स्वंय को ढ़ालते हुए प्रयास को सफल किया। स्टाफ, पालक एवं संस्था से जुड़े सभी लोगों, विभाग, रतलाम, भारत की उपलब्धि है। शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव डॉ. संजय गोयल ने कहा कि - लंदन की टी-4 एजुकेशन विश्व भर के स्कूलों में स्पर्धा का प्लेटफार्म दे रही है। अंतरराष्ट्रीय जूरी ने फैज वाईज हमारे स्कूलों को परखा और यूके और थाईलैंड जैसे देश के स्कूलों के साथ स्पर्धा में रतलाम को श्रेष्ठ घोषित किया है। सीएम राईज विनोबा की इस स्पर्धा में उपलब्धि दूरदर्शी सोच, अथक परिश्रम, स्टाफ, विद्यार्थियों के श्रम का सार्थक परिणाम है। पीपल संस्था की सीईओ कृति भरुचा ने बताया कि सीएम राइज स्कूल कार्यक्रम के लिए शैक्षणिक भागीदार के रूप में कार्य कर महत्वपूर्ण योगदान दिया है। पीपुल ने सीएम राइज स्कूलों के लिए स्कूल प्रक्रियाओं के लिए मानक संचालन प्रक्रिया तैयार करने और नेतृत्व क्षमता को मजबूत करने में स्कूल शिक्षा विभाग के साथ सहयोग किया है।

शिक्षा के क्षेत्र में भारत को अभूतपूर्व सफलता

टी फॉर एजुकेशन लंदन आधारित एक ग्लोबल संस्था है जो 100 देशों के हजारों स्कूलों के बीच पांच अलग-अलग श्रेणियों में प्रतियोगिता करवाती है। इन श्रेणियों में सामुदायिक सहभागिता, पर्यावरण सक्रियता, सृजनात्मकता, विपरीत परिस्थितियों में सफलता और स्वस्थ कार्यशैली है। भारत के लिए गर्व की बात है कि इस साल सर्वश्रेष्ठ श्रेणी में भारत के तीन स्कूल हैं, लेकिन सरकारी स्कूल केवल एक। स्पर्धा में भाग लेने के समय से ही इंटरनेशनल लेवल पर इस स्कूल में इनोवेशन के साथ पढ़ाई के नए तरीकों, सीमित संसाधनों में असीमित सफलता को लेकर परखा गया। स्कूल के उप प्राचार्य और राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त शिक्षक गजेंद्र सिंह राठौर को शॉर्टलिस्टेड स्कूल के रूप में इनोवेशन श्रेणी में स्कूल लीडर चुना गया। अंतरराष्ट्रीय शिक्षाविदों द्वारा घंटों ऑनलाइन इंटरव्यू के सेशन हुए। दस्तावेज आधारित मूल्यांकन किया गया। आखिरकार अंत तक मेहनत में कोई कमी नहीं रखने पर स्कूल का चयन वर्ल्डस बेस्ट के रूप में हो गया।

इन प्रयासों ने दिलवाई वैश्विक सफलता

स्कूल के उप प्राचार्य गजेंद्र सिंह राठौर ने मीडिया को बताया कि रतलाम के सीएम राइज स्कूल ने विशेष तैयारियों के साथ भारत की ओर से प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। साइकिल ऑफ ग्रोथ इसमें बहुत अमह रहा। 2 साल पहले विनोबा स्कूल से जुड़ने के बाद संस्था ने विद्यार्थियों की कम उपस्थिति और दक्षता की कमी पर काम किया। शिक्षकों के व्यावसायिक विकास के लिए टीम हडल और कैप्सूल ट्रेनिंग, क्लास रूम मॉनिटरिंग, वन ऑन वन फीडबैक, रिवॉर्ड और मान्यता की सकारात्मक योजना बनाई गई। विद्यार्थियों के काम को प्रदर्शित करने के लिए लर्निंग शोकेस, सृजन मेला, कम्युनिटी विजिट, प्रोजेक्ट बेस्ड लर्निंग जैसे नियमित आयोजन किए गए। सीएम राइज स्कूल दो साल पहले ही शुरू हुए थे। पहली से 12वीं तक अंग्रेजी और हिंदी दोनों माध्यमों से संचालित इस स्कूल के 577 विद्यार्थियों में से 545 विद्यार्थी पूरे वर्ष किसी न किसी स्तर पर गतिविधि से जुड़े रहे।

मुख्यमंत्री पेंशनरों को दोयम दर्जे का समझ कर रहे है परेशान

रतलाम।

प्रदेश के 5 लाख पेंशनर्स व पेंशनर्स परिवार विगत 10 माह से चार प्रतिशत महंगाई राहत/डी.ए. के साथ अन्य मांगों के लिए संघर्ष कर रहे है। परंतु मुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री के भली भांति संज्ञान में होते हुए भी अनभिज्ञ होकर राज्य पेंशनरों की आर्थिक परेशानियां बढ़ा रहे है।

प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन रतलाम की मासिक बैठक को संबोधित करते हुए उप प्रांताध्यक्ष कीर्ति कुमार शर्मा ने बताया कि वर्तमान में 53 प्रतिशत महंगाई राहत दी जा रही है लेकिन प्रदेश सरकार पेंशनरों को महंगाई राहत नहीं देकर वृद्धावस्था में आर्थिक परेशानियों में धकेला जा रहा है।

मध्यप्रदेश के बजट में जबकि 15 प्रतिशत का प्रावधान डी.ए. का रखा गया है तो समय पर डी.ए. दिया जाना चाहिए। बैठक में एम.एल. नगावत, प्रमोद व्होरा, हरिश कुमार बिंदल, रणजीतसिंह राठौर, दुर्गेश सुरोलिया, एम.के. पंडित, महेश कुमार राठौर, एल.एन. मेहता, कैलाशनाथ शर्मा, के.एल. भाटी, आशा श्रीवास्तव ने कहा कि हमारी न्यायोचित मांगों का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो हमें आंदोलन और तेज करना होगा और सड़कों पर उतरना पड़ेगा। हम पुनः पी.एम. को पोस्ट कार्ड अभियान भी कर सकते है। संयुक्त संगठनों के माध्यम से आंदोलन की पहल की जाए तो बेहतर होगा। सी.एम. के नाम ज्ञापनों का सिलसिला मंत्री, क्षेत्रीय सांसद, विधायकों के माध्यम से देना जारी रहेगा। यह भी निर्णय लिया कि महिला प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एकता मंच रतलाम का जिला सम्मेलन आगामी दिसंबर माह में आयोजित किया जावेगा। पेंशनर्स बैठक में ओमप्रकाश पोरवाल, श्रमा परिहार, जितेन्द्रसिंह पाथिक, एफ.एम. मंसूरी, दुर्गा प्रसाद चौबे, गायत्री शर्मा, विजयसिंह सिसौदिया, उमेश कुमार यति, पी.डी. वैष्णव, जी.पी. चन्सौरिया, रमेश चंद्र करम्मैया, निर्मला वैष्णव, कुंज बिहारी चौधरी, जी.एस. राठौर, अरुण श्रीरसागर, जगन्नाथ नागदिया, भारतसिंह सोनगरा, डी.डी. गोठवाल, गीता राठौर, हरिशंकर चौहान, मोतीलाल सेठिया, जगदीशचंद्र भावसार, व्ही.एल. चहान्दे, बद्रीलाल राठौड़, अशोक मेहता, जयवंते गुसे, उच्छबलाल साल्वी, एस.के. मिश्रा आदि उपस्थित थे।

शहरी गरीबी उपशमन प्रकोष्ठ सलाहकार समिति की बैठक संपन्न

रतलाम। महापौर प्रहलाद पटेल के निर्देशानुसार नगर निगम शहरी गरीबी उपशमन प्रकोष्ठ सलाहकार समिति की बैठक समिति प्रभारी श्रीमती अनिता कटारा की अध्यक्षता में समिति कक्ष में संपन्न हुई। बैठक में दीनयाल रसोई योजना के केन्द्र व चलित केन्द्र का व्यापक प्रचार-प्रसार किये जाने के साथ ही समिति सदस्यों को रसोई केन्द्रो का अवलोकन कराये जाने की अनुशंसा बैठक में की गई। इसके अलावा आयोजित बैठक में स्व सहायता समूहो की जानकारी लिये जाने के साथ ही ऐसे समूह जो कि निष्क्रिय हो गये है उन्हे पुनः सक्रिय किया जाकर नये समूह बनाये जाने की समिति द्वारा अनुशंसा की गई। आयोजित बैठक में समिति प्रभारी श्रीमती अनिता कटारा के अलावा समिति सदस्य रणजीत टांक, धर्मेन्द्र रांका, करण कैथवास, श्रीमती संगीता सोनी, श्रीमती देवश्री पुरोहित, श्रीमती आशा रावत के अलावा समिति सचिव श्रीमती राजश्री गुमास्ते आदि उपस्थित थे।

मण्डावल के युवाओं ने सेना में चयनित होकर कीर्तिमान बनाया

रतलाम। जिले की मंडावल ग्राम पंचायत के युवाओं ने सेना में भर्ती के लिए चयनित होकर कीर्तिमान स्थापित किया है। यहां के युवा पहले भी निरंतर सेना के लिए चयनित होते रहे हैं, इसी क्रम में ग्राम पंचायत मण्डावल द्वारा गांव के दो होनहार युवाओं अनुराज सिंह डोडिया पिता राजेन्द्र सिंह डोडिया एवं दीपराज सिंह डोडिया पिता चंद्रपाल सिंह डोडिया का चयन हुआ। नासिक महाराष्ट्र के लिए अपने प्रशिक्षण के लिए रवाना होने पर इनका ग्राम पंचायत द्वारा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर इनके परिजनों का भी सम्मान किया गया। इस अवसर पर ग्राम पंचायत सरपंच प्रतिनिधि जितेन्द्र सिंह डोडिया, जनपद सदस्य प्रतिनिधि बालु सिंह डोडिया, उपसरपंच रजाक मंसूरी, नरेन्द्र सिंह डोडिया (जनसंपर्क विभाग रतलाम), शक्ति सिंह सोनगरा (अर्जला), डां. धारासिंह डोडिया, अरुण पंड्या, नरेंद्र सिंह डोडिया, श्री बलवहादुर सिंह डोडिया, मदनलाल दांगी, भैरुलाल सेन समस्त पंच एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे, सभी ने शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक जितेन्द्र सिंह डोडिया ने किया। उल्लेखनीय है कि देश सेवा के लिए आर्मी में सर्वप्रथम ग्राम मंडावल के डोडिया परिवार से प्रवीण सिंह डोडिया जोशीमठ उत्तराखंड में, विजय सिंह डोडिया लखनऊ उत्तर प्रदेश में, राजपाल सिंह डोडिया भटींण्डा (पंजाब) में एवं घनश्याम डांगी पिता भंवरलाल डांगी मातृभूमि की रक्षा के लिए सेवा दे रहे हैं।

कन्या महाविद्यालय में रंगारंग रूबरू' 2024 आयोजित

रतलाम।

यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के लिए उत्साह, ऊर्जा और गतिशीलता का झरना है। सांस्कृतिक प्रतियोगिता में सहभागिता से छात्राओं में रचनात्मकता एवं स्वाधीनता दृष्टिकोण का भाव उत्पन्न होता है।

छात्राओं को अकादमी एवं अन्य गतिविधियों में पूरी सक्रियता से प्रतिभागिता एवं सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर अपने व्यक्तित्व का विकास करें और खुद को बेहतर को बनाने का प्रयास करें उक्त बात प्राचार्य डॉक्टर सुरेश कटारिया ने शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय रतलाम के एल्यूमनाई एसोसिएशन एवं वाणिज्य विभाग के तत्वाधान में रंगारंग कार्यक्रम रुबरू (छात्राओं द्वारा छात्राओं के लिए) के आयोजन में संबोधित करते हुए कहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य डॉ.सुरेश कटारिया, एल्यूमनाई एसोसिएशन अध्यक्ष अमिता वर्मा एवं महाविद्यालय की एल्यूमनाई प्रभारी डॉ.सुनीता श्रीमाल द्वारा मां सरस्वती पूजन एवं दीप प्रज्वलन कर किया गया।

तत्पश्चात छात्राओं द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। कार्यक्रम को एल्यूमनाई एसोसिएशन की अध्यक्ष अमिता वर्मा द्वारा पूर्व

छात्रा संघ के द्वारा किए जा रहे विभिन्न प्रकल्पों की विस्तृत जानकारी दी तथा निरंतर गतिविधि की बात की, डॉ. सुनीता श्रीमाल द्वारा छात्राओं को शुभकामनाएं दी गई,वाणिज्य विभाग की डॉ.तबस्सुम पटेल द्वारा आयोजन की रूपरेखा एवं उद्देश्यों पर प्रकाश डाला गया। अतिथियों के उद्बोधनों के पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत हुई जिसमें छात्रों ने एक से बढ़ एक रंगारंग प्रस्तुतियां दीं जिनमें लोकसंगीत,लोकनृत्य,समूह नृत्य के साथ छात्राओं के लिए विभिन्न मनोरंजक गेम्स भी रखे गए, जिसमें विजेता छात्राओं को पुरस्कृत किया गया।

नवप्रवेशित छात्राओं का सीनियर छात्राओं द्वारा स्वागत किया गया। प्रथम प्रस्तुति छात्रा बुलबुल जाट एवं समूह द्वारा गुरु वंदना की प्रस्तुति दी गई, सलोनी सांखला, कनक एवं समूह द्वारा ग्रुप डांस, पूजा जाजोरिया द्वारा उपशास्त्रीय गीत पर पारंपरिक प्रस्तुति दी, कृति वारे एवं समूह का समूह नृत्य हुआ। हिमशिखा एवं समूह, प्रियंका एवं समूह द्वारा ग्रुप डांस कनक तरवाड़ी द्वारा एकल नृत्य की प्रस्तुति ,अंतिम प्रस्तुति छात्रा दिव्यांशी द्वारा प्रस्तुत की गई,इसके बाद छात्राओं हेतु विभिन्न मनोरंजक गेम्स का आयोजन हुआ ,इन गेम्स में पूजा जाजोरिया ,आंचल नागल एवं विंदती पाटोदिया विजेता रहे।डांस में सलोनी सांखला प्रथम एवं दिव्यांशी अतरौलिया द्वितीय रहीं।ग्रुप डांस में कनक एंड ग्रुप प्रथम रहा । तत्पश्चात प्रथम वर्ष की छात्राओं द्वारा मंच पर रैंप वॉक किया गया जिसमें ,मिस फ्रेशर मायरा शेख,फेस ऑफ दे अंजलि,मिस क्यूटी एरिल, बेस्ट रैंपवॉक कनक धाकड़ चुनी गई,एल्यूमनाई में से हार्दिक मेहता ,अमिता वर्मा पुरस्कृत किए गए, शिवांगी चौहान एवं वैशाली छपरी को भी विशेष पुरस्कार प्राप्त हुआ,सभी विजेताओं को अतिथियों द्वारा पुरस्कार दिए गए कार्यक्रम का संचालन छात्र कृति वारे एवं यज्ञा शर्मा द्वारा किया गया।इस अवसर पर बड़ी संख्या में छात्राएं व महाविद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा।

कान्हा राष्ट्रीय उद्यान से 28 चितल गांधी सागर अभ्यारण में ओर लायें गये

भानपुरा (मन्दसौर)। तहसील भानपुरा स्थित गांधीसागर अभ्यारण्य में प्रचलित चीता पुर्नस्थापना योजना अंतर्गत चीता बाड़ा क्षेत्र में शाकाहारी वन्यप्राणियों के प्रे बेस बड़ाने हेतु प्रदेश के अन्य संरक्षित क्षेत्रों से 1250 चीतल स्थानांतरित किया जाना है। जिसके तहत गुरुवार 24 अक्टूबर को कान्हा राष्ट्रीय उद्यान, एवं मंडला से लाए गए 18 नर एवं 10 मादा कुल 28 चीतल को गांधीसागर अभयारण्य चीता फेसिंग क्षेत्र में छोड़ा गया। अब तक गांधीसागर वन्यजीव अभयारण्य में 120 नर एवं 314 मादा कुल 434 चीतल छोड़े गए हैं। अब अभयारण्य क्षेत्र में चीतल के समूह देखे जा रहे हैं। जिससे पार्क प्रबंधन बहुत उत्साहित हैं चीतल ट्रांसलोकेशन कार्य वन विभाग का अमला चीतलों की पूरी जवाबदारी एवं सुरक्षा की दृष्टि से साथ रह रहे। गाँधीसागर अभ्यारण्य में चीतों को शिघ्र लाने के लिए प्रदेश सरकार एवं वन विभाग उच्चाधिकारी प्रयास रत है।

विधिक सेवा समिति चौमहला ने किया वृद्धाश्रम का औचक निरीक्षण

चौमहला। झालावाड़ जिले के चौमहला में राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार बुधवार को अध्यक्ष तालुका विधिक सेवा समिति चौमहला न्यायाधीश राजपाल मीना द्वारा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग झालावाड़ द्वारा चौमहला कस्बे में संचालित वृद्धाश्रम का निरीक्षण किया। जहां वृद्धाश्रम में निवास कर रहे वृद्धजनों से न्यायाधीश ने उनके नाम-पता तथा उन्हें मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी ली।साथ ही न्यायाधीश ने उपस्थिति रजिस्टर एवं संधारित की जा रही पत्रावलियों का निरीक्षण किया एवं व्यवस्थापक ओमप्रकाश नागर को वृद्धाश्रम में आवश्यक व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने हेतु निर्देशित किया। वहीं न्यायाधीश ने निरीक्षण के दौरान वृद्ध आश्रम में रह रहे वृद्धजनों को फल वितरित किए। इस दौरान कनिष्ठ सहायक चेतन मोरी, अधिवक्ता प्रशांत सोनी, विशाल सिंह कानि. और पीएलवी सदस्य संजय राठौर उपस्थित रहें।

मंदसौर में गुलाबी ठंड दिखा रही असरः रात का तापमान 20 डिग्री पहुंचा

मंदसौर। मंदसौर जिले में ठंड बड़ने लगी है। रात का तापमान 20 डिग्री तक पहुंच गया है। हालांकि अधिकतम तापमान में ज्यादा अंतर नहीं आया है। दिन का तापमान 31 डिग्री के आसपास बना हुआ है। सुबह हल्की धुंध का असर है वहीं, शाम को गुलाबी ठंड का असर है। मौसम जानकारों के अनुसार अंडमान सागर से उठे चक्रवती तूफान 'दाना' का जिले में असर नहीं रहेगा। हल्के बादल छाए रह सकते हैं। नवंबर के पहले सप्ताह में ठंड का असर तेज होने लगेगा। वातावरण में नमी बढ़ने के साथ ही अभी दिन का तापमान कुछ दिनों से सामान्य से अधिक है। जब तापमान ज्यादा रहता है और नमी ज्यादा होती है तो धुंध छा जाती है। मानसून की रवानगी के बाद मौसम भी बदलता है। सामान्य तौर पर ऐसा होता है।

गुरु पुष्य नक्षत्र पर मन्दसौर के बाजारों में जमकर हुई खरीदारी

मंदसौर। पुष्य नक्षत्र पर बाजार में गुलजार रहे। दिवाली से पहले आए गुरु पुष्य योग के साथ सर्वार्थ सिद्धि योग और अमृत सिद्धि योग में लोगों ने जमकर खरीदारी की। सबसे ज्यादा बाइक, स्कूटी और कार की खरीदारी हुई। वहीं, व्यापारियों ने शुभ मुहूर्त में बही खातों की खरीदारी की। हालांकि सोने-चांदी के भाव ज्यादा बड़ जाने से ज्वेलरी दुकानों में भीड़ नहीं दिखी। बता दें कि गुरु पुष्य नक्षत्र का शुभ योग है। पांच दिवसीय दीपोत्सव पर्व की शुरुआत धनतेरस से हो जाती है। धनतेरस के बाद नरक चतुर्दशी जिसे रूप चौदस या काली चौदस भी कहते हैं, फिर दीपावली, गोवर्धन पूजा और अंतिम दिन भाई दूज का पर्व मनाया जाता है। इन पांच दिनों में शुभ खरीदारी और किसी काम की नई शुरुआत करने के लिए बहुत ही अच्छा माना जाता है। दरअसल हर वर्ष दिपावली से कुछ दिन पहले पुष्य नक्षत्र आता है। इस बार दिपावली से पहले गुरु पुष्य योग के साथ सर्वार्थ सिद्धि योग और अमृत सिद्धि योग का शुभ संयोग भी बन रहा है।

प्रापर्टी ब्रोकर्स ने प्लॉट को हड़पने की कोशिश की, पीड़ित ने पुलिस से शिकायत की

मन्दसौर। श्रीमती श्यामाबाई पति सूरज नकवाल निवासी नरसिंहपुरा आठ क्वार्टर ने वाय.डी. नगर थाना में आवेदन देकर बताया कि मैं पूर्व में नगरपालिका की सफाई कर्मचारी रही हूँ। मैंने कर्मचारी आवास निगम की कॉलोनी जो कि गांधी नगर के पास है उसमें प्लॉट नं. ई.डब्ल्यूएस-11 क्रय किया था। और उसका आवंटन लेटर व सभी दस्तावेज मेरे पास है। इस भूखण्ड जिसकी साईज लगभग 600 फीट है। उस पर स्वामित्व व आधिपत्य मेरे परिवार का चला आ रहा है और उस प्लॉट पर पिल्लर व सीमा चिन्ह भी लगाये हुए है। एक प्रापर्टी ब्रोकर्स व उसका साथी दोनों पिछले कुछ दिनों से इस प्लॉट को हड़पने का प्रयास कर रहे है। और बाजार से लोगों को ले जाकर इस प्लॉट को बेचने की कोशिश कर रहे है। इसके बारे में मुझे व मेरे पुत्र राकेश नकवाल को दिनांक 22.10.2024 को पता लगा तो उसने इन दोनों से चर्चा की और उन्हें समझाने की कोशिश की।

वेटलिफ्टिंग स्पर्धा में 2 खिलाड़ियों का राष्ट्रीय स्तर पर चयन हुआ

भानपुरा (मन्दसौर)। विगत दिनों सीहोर में आयोजित राज्य स्तरीय वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में प्राचार्य कारुलाल कोयल व व्यायाम शिक्षक किशोर कुमार माली के मार्गदर्शन मे शासकीय मॉडल स्कूल भानपुरा के 8 बालक बालिका वेटलिफ्टरों ने भाग लिया, जिसमें 17 वर्ष 55 किलोग्राम भार वर्ग में कक्षा 11वीं साइंस के छात्र जीवन कुमार पिता रमेश चंद उणियारा ने 145 किलोग्राम भार उठाकर लगातार तीसरे वर्ष राज्य स्तर पर स्वर्ण पदक प्राप्त किया। यह छात्र 11 से 17 नवंबर तक मणिपुर इंफाल में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेगा। वही 19 वर्ष 49 किलोग्राम भार वर्ग में कक्षा 12वीं की छात्रा खुशी अश्विन कलावडिया ने 68 किलोग्राम भार उठाकर स्वर्ण पदक प्राप्त किया 7खुशी दिल्ली मे आयोजित दिसंबर माह में सीनियर शालेय वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगी। इसके साथ ही 40 किलोग्राम भार वर्ग में कक्षा 9वी की छात्रा तृप्ति पिता विष्णु प्रसाद प्रजापति , 45 किलोग्राम भार वर्ग में फाल्गुनी पिता राजेश कलावडिया , 67 किलोग्राम भार वर्ग में कक्षा 11 के विजयपाल पिता मुकेश किशन राठौर, 73 किलोग्राम भार वर्ग में तनुज पिता राकेश माली, 81 किलोग्राम भार वर्ग में कक्षा दसवीं के यशपाल पिता विनोद पाटीदार एवं 19 वर्ष 55 किलोग्राम भार वर्ग में कक्षा 12वीं के उमेश पिता सत्यनारायण प्रजापति ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राज्य स्तर पर उज्जैन संभाग का प्रतिनिधित्व किया। छात्र-छात्राओं के इस सफलता पर मॉडल स्कूल के प्राचार्य कारुलाल कोयल,ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कमलेश कुमार सिंह चंदेल,वरिष्ठ शिक्षक दीपक कुमार टेलर वरिष्ठ शिक्षक देवेंद्र कुमार गौड़, इंद्रमल प्रजापति एवं स्टाफ सदस्यों ने छात्रों को बधाई एवं उज्जवल भविष्य शुभकामनाएं दी । इस अवसर पर मंदसौर वेटलिफ्टिंग एसोसिएशन के अध्यक्ष अनिल बघेरवाल सह सचिव नवीन तिवारी, वरिष्ठ पी. टी. आई.अब्दुल लतीफ खान, कोच धारा सिंह सोलंकी, कोच दीपक पाटीदार, महिला कोच मनभर मीणा,योगेंद्र बोरासा, मोहित मीणा ने भी शुभकामनाएं प्रेषित की ।

लोकायुक्त ने रोजगार सहायक को रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा

मंदसौर। सीतामऊ जनपद के अजयपुर ग्राम पंचायत के रोजगार सहायक को लोकायुक्त उज्जैन की टीम ने 5 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी ने गांव के ही व्यक्ति से पीएम आवास की दूसरी किस्त जारी करने के लिए रुपए मांगे थे। लोकायुक्त डीएसपी बसंत श्रीवास्तव ने बताया कि ग्राम पंचायत अजयपुर के रोजगार सहायक राधेश्याम प्रजापत ने प्रधानमंत्री आवास की दूसरी किस्त जारी करने के लिए राजूलाल से 10 हजार रुपए की मांग की थी। इसके बाद राजूलाल ने लोकायुक्त पुलिस उज्जैन को शिकायत की। लोकायुक्त टीम ने सत्यापन के बाद ट्रैप बनाया। फरियादी ने सहायक सचिव को रुपए कम होने की बात कही। इसके बाद सहायक सचिव 5 हजार रुपए लेने के लिए तैयार हो गया। बुधवार को आरोपी सहायक सचिव ने राजूलाल को पैसे देने बुलाया। जिसके बाद उसे लोकायुक्त की टीम ने रंगे हाथों पकड़ लिया। इस कार्रवाई में लोकायुक्त उज्जैन के आरक्षक विशाल, अनिल, नीरज, लोकेश और रमेश डाबर शामिल रहे।

शिवम् पाटीदार व नमन बैरागी करेंगे इंडिया डॉज बॉल टीम का प्रतिनिधित्व

भानपुरा (मन्दसौर)। भानपुरा स्पोर्ट्स अकादमी के खिलाडी शिवम् पिता राजेंद्र पाटीदार एवं नमन पिता मुकेश बैरागी का चयन भारतीय डॉजबॉल टीम हेतु हुआ है। उक्त जानकारी देते हुए मंदसौर डॉजबॉल एसोसिएशन सचिव तरुण लोहार द्वारा बताया गया खिलाडी शिवम् पाटीदार का व नमन बैरागी का चयन डॉजबॉल एशियन चेपियनशिप दिनांक 5 नवम्बर 2024 से मलेशिया मे आयोजित होंगी, दोनों खिलाडी भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे ।

उल्लेखनीय है कि खिलाडी शिवम् पाटीदार चाचावदा पठारी से भानपुरा अकादमी मे अभ्यास हेतु रोज आते है पिछले साल भी शिवम् पाटीदार इंडिया डॉजबॉल टीम का प्रतिनिधित्व कर आये है जो की सऊदी अरब मे आयोजित हुई थी वर्ष 2023-24 मे एवं सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के आधार पर पुन: खिलाडी शिवम् पाटीदार 2024-25 हेतु चयन हुआ मलेशिया मे आयोजित एशियन डॉजबॉल चेंपियनशिप हेतु भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस उपलब्धि पर खिलाडी को क्षेत्रीय विधायक चन्दरसिंह सिसोदिया, क्षेत्रीय पुर्व विधायक देवीलाल धाकड़ , मध्यप्रदेश डॉजबॉल एसोसिएशन सचिव प्रवीण सांगते, जिला खेल अधिकारी विजेंद्र देवड़ा, जिला डॉजबॉल एसोसिएशन अध्यक्ष यूनुस खान, भंवरलाल पाटीदार, नानालाल पाटीदार, रणछोड़ पाटीदार, सुभाष पाटीदार खिलाडी को शुभकामनायें दी।

राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ एवं प्रशासनिक सेवाओं के अवसर पर व्याख्यान का आयोजन हुआ

मंदसौर। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मंदसौर के प्राणिकी विभाग , स्वामी विवेकानंद करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ - प्रकोष्ठ द्वारा स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के अंतर्गत दिनांक 24.10.2024 को सरदार वल्लभ भाई पटेल के जन्मदिवस 31.10.2024 के अवसर पर राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ एवं प्रशासनिक सेवाओं के अवसर पर व्याख्यान का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ डी.सी.गुप्ता. के मार्गदर्शन में किया गया ।जिसमे महाविद्यालय के जनभागीदारी अध्यक्ष श्री नरेश चंदवानी ने विद्यार्थियों को अपने संदेश में बताया कि हमारे देश में राष्ट्रीय एकता सदियों से बनी रही है जिसके लिए भारत माता के वीर सपूत सरदार वल्लभभाई पटेल जी का योगदान और उनके आदर्शों को हमें आत्मसात करके राष्ट्रीय एकता की भावना को बायरखाने का कार्य करना है जिसकी जिम्मेदारी आज की युवा पीढ़ी पर है। प्राचार्य डी.सी गुप्ता ने इस अवसर पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि राष्ट्रीय एकता की भावना एकीकृत और समृद्ध राष्ट्र के निर्माण की दृष्टि को दर्शाता है । उक्त कार्यक्रम में विभाग के प्रो सिद्धार्थ बरोड़ा प्रो शिखा ओझा प्रो प्रकाश दास प्रो कुंदन माली सहित महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापको सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने सहभागिता की ।

समिति की बैठक हुई मेला के आयोजन पर हुई चर्चा

मंदसौर। भगवान श्री पशुपतिनाथ महादेव का 62 वा भव्यतम मेला दिनांक 11 से 30 नवंबर 2024 तक नगर पालिका परिषद मंदसौर के द्वारा आयोजित किया जाना है ।

मेला की तैयारी को लेकर कल नपाध्यक्ष श्रीमती रमादेवी बंशीलाल गुर्जर की अध्यक्षता एवं मेला समिति सभापति श्रीमती भावना पमनानी की विशेष उपस्थिति में मेला समिति की बैठक आयोजित की गई इस बैठक में मेला समिति के सदस्यगण श्रीमती रेखा राजेश सोनी एरावाला ईश्वर सिंह चौहान एडवोकेट श्रीमती माया नीलम चंद भावसार दीपक गाजवा श्रीमती दिव्या अनूप माहेश्वरी श्रीमती संगीता शैलेंद्र गोस्वामी मेला अधिकारी श्री पी.एस.धार्वे मेला लिपिक राजेंद्र नीमा भी उपस्थित थे बैठक में पशुपतिनाथ मेला की तैयारी की समीक्षा की गई मेला समिति की बैठक नपाध्यक्ष श्रीमती गुर्जर के कक्ष में कल दोपहर को आयोजित की गई इस बैठक में मेला लिपिक राजेंद्र नीमा ने मेला समिति को अवगत कराया कि मेला में आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों के टेंडर एक दो दिवस में जारी होंगे मेला में लगने वाली अस्थाई दुकानों के आवंटन की प्रक्रिया शुरू की गई है मेला में लगने वाली मनिहारी सोफ्टी झूले चकरी जनरल आइटमो की दुकानों के आवंटन हेतु नगर पालिका के अवकाश के दिनों में भी आवेदन पत्र व्यापारियों की सुविधा के लिए दिए जा रहे हैं 400 आवेदन पत्र नगर पालिका कार्यालय में जमा हो चुके हैं लगभग 700 आवेदन पत्र व्यापारियों ने लिए हैं । 5 नवंबर तक आवेदन पत्र दुकानो हेतु प्राप्त किए जाएंगे इस बार नगर पालिका ने समय पूर्व तैयारी शुरू की है ।

खाद्य सुरक्षा प्रशासन की कार्यवाही, शामगढ़ में सात संस्थानों से लिए सेम्पल

शामगढ़ (मन्दसौर)। जिला कलेक्टर के निदेशानुसार आगामी त्यौहारों को ध्यान में रखते हुए, खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। 24 अक्टूबर गुरुवार को मंदसौर जिले के शामगढ में कार्यवाही के दौरान सात संस्थानों का निरीक्षण करते हुए गुणवत्ता स्तर की जांच वास्ते नमूने जब्त किये गये है। जिन्हें राज्य खाद्य प्रयोगशाला भोपाल भेजा गया हैं। खाद्य सुरक्षा अधिकारी बी एस जामोद ने बताया कि 24 अक्टूबर गुरुवार को मंदसौर जिले के शामगढ में कार्यवाही के दौरान शिव जोधपुर स्वीट्स से दूध कतली, बिकानेर स्वीट्स से मिल्क केक, प्रज्ञा स्वीट्स से मलाई बर्फी, गोपाल स्वीट्स से इलायची बर्फी, समाधान स्वीट्स से मावा बर्फी, प्रजापति रेस्टोरेन्ट से मावा पेडा और टेस्ट नमकीन से सेंव के नमूने लिये गये हैं। जांच के दौरान खाद्य सुरक्षा अधिकारी बी एस जामोद के साथ तहसीलदार राजेश बर्डे, थाना प्रभारी उदयसिंह अलावा भी उपस्थित थे। सभी खाद्य नमूनों को गुणवत्ता स्तर की जांच वास्ते खाद्य विश्लेषक राज्य खाद्य प्रयोगशाला मप्र भोपाल भेजे गये है जहां से जांच रिपोर्ट आने पर आगामी कार्रवाई की जायेगी। कार्रवाई के दौरान सभी संस्थानो को अपने यहां साफ सफाई रखने एवं पेयजल की व्यवस्था करने के निर्देश दिये गये।

विधिक साक्षरता शिविर एवं संयुक्त राष्ट्र संघ स्थापना दिवस मनाया गया

मन्दसौर। शासकीय कन्या महाविद्यालय, मंदसौर के प्राचार्य डा.सुधीर रायजादा ने जानकारी देते हुए बतायाकि महाविद्यालय में विधिक साक्षरता शिविर एवं संयुक्त राष्ट्र संघ स्थापना दिवस मनाया गया। विधिक साक्षरता शिविर के मुख्य अतिथि सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंदसौर के न्यायाधीश श्री सिद्धार्थ तिवारी ने अपने उद्बोधन में बताया कि वर्तमान युग में छात्रायें अपनी व्यक्तिगत जानकारी मोबाईल से जुडे अनेक एप्प पर डालती है कई बार उनकी जानकारी के साथ छेड़छाड करके अपराधी ब्लेकमेल कर छात्रा के साथ शारीरिक एवं आर्थिक फायदा उठाते है। ऐसी स्थिति में छात्रायें या महिलायें अपने साथ हुए कृत्य के बारे में सामजिक दबाव होने के कारण किसी को बता नहीं पाती और वह मानसिक तनाव से ग्रस्त हो जाती है। ऐसे में छात्रायें विधिक सेवा में निर्भिक रूप से शिकायत कर कानूनी सहायता प्राप्त कर सकती है। साथ ही अपने साथ हुए कृत्य के बारे में अपने माता-पिता या गुरूजनों को भी बता सकती है। कार्यक्रम का संचालन डा.अनुराग आर्य ने किया एवं आभार विरिष्ठ प्राध्यापक डा.पी.एल.पाटीदार ने माना। इस अवसर पर 55 से अधिक छात्रायें एवं स्टाफ उपस्थित रहा।

स्कूल के बच्चों को निःशुल्क साइकिल वितरण की गई

मंदसौर। शासकीय माध्यमिक विद्यालय टोरखेडी में स्कूल के बच्चों को निःशुल्क साईकिल का वितरण किया गया। इस दौरान जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री बसंत शर्मा द्वारा छात्रों को माला पहनाकर साइकिल वितरण की गई। इस अवसर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष श्री बसंत शर्मा, जन प्रतिनिधि, स्कूल प्राचार्य, शिक्षक, विद्यार्थी मौजूद थे।

बड़े बालाजी मंदिर समिति द्वारा 30 को शाही महाआरती का आयोजन

मन्दसौर। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी पुराना बस स्टेण्ड स्थित श्री बड़े बालाजी मंदिर पर देव दिवाली 30 अक्टूबर को भगवान बालाजी महाराज के प्रकटोत्सव के उपलक्ष में 56 भोग लगाया जाएगा तथा 201 दीपक से विशाल शाही महाआरती की जावेगी। इस दौरान मंदिर क्षेत्र को भगवा पताकाओं व झीलमिलाती विद्युत सज्जा से सजाया जाएगा। आयोजन को लेकर मंदिर समिति द्वारा जोरों से तैयारियां की जा रही है। मंदिर समिति के प्रवक्ता रवि ग्वाला ने बताया कि दिनांक 30 अक्टूबर देव दिवाली पर प्रात: 11.30 बजे 151 थालों में 56 पकवान सजाकर बालाजी को भोग लगाया जाएगा। तत्पश्चात् सायं 7 बजे 201 दीपक से महाआरती की जाएगी। जिसमें न्यू किशोर बैंड के 101 साथी मधुर भजनों की प्रस्तुति देंगे। महाआरती की शोभा अजयमेरू के ढोल, उज्जैन की तोप व ताशे, अहमदाबाद की शहनाई व मंदसौर के 151 ढोल बड़ायेंगे एवं इस दौरान रंगारंग आतिशबाजी भी की जाएगी।

नापतौल विभाग ने मिठाई एवं नमकीन दुकानों पर निरीक्षण की खानापूर्ति की

मंदसौर। निरीक्षक नापतौल मंदसौर के द्वारा दीपावली त्यौहार आने की दृष्टि से नापतौल अधिनियम और नियम के अंतर्गत मिठाई एवं नमकीन दुकानों की जांच का विशेष अभियान चलाया। जिसमें नमकीन पैकेज वस्तुओं पर नियमानुसार आवश्यक घोषणा नही होने और विक्रय हेतु प्रदर्शित करके रखने के कारण निम्न दुकानों / संस्थानों के विरूध्द अनियमितताएं पाये जाने से अपराधिक प्रकरण पंजीबध्द कर कार्यवाही की गई। जिसमें पालीवाल श्री नमकीन , रेल्वे स्टेशन , मंदसौर, चौहान सुपर मार्ट, अग्रसेन नगर, मंदसौर, रूद्र नमकीन, गीताभवन रोड, मंदसौर, मयूर के नमकीन एण्ड मसाले, पदमावती रिसोर्ट के सामने, मंदसौर, मालवा नमकीन, गीताभवन रोड के पास, मदंसौर, मण्डवारिया स्वीट्स एवं नमकीन, बस स्टेण्ड, मल्हारगढ़, बीकानेर स्वीट्स, मल्हारगढ़, श्री बालाजी नमकीन भण्डार, गांधी चौक, मल्हारगढ़, विनायक प्रोव्हीजन, पिपलियामण्डी, कन्हैया स्वीट्स, पिपलियामण्डी, श्याम मिष्ठान भण्डार, पिपलियामण्डी, नाकोडा नमकीन भण्डार, पिपलियामण्डी, गुप्ता रेस्टोरेन्ट, पिपलियामण्डी, रत्नावत नमकीन भण्डार, पिपलियामण्डी में जांच की गई। निरीक्षक नापतौल मंदसौर ने उपभोक्ताओ को जागरूक करने के उद्देश्य से पैकेज वस्तुएं खरीदते समय निम्नलिखित घोषणाएँ अवश्य देखने हेतु आग्रह किया कि निर्माता / पैककर्ता का नाम व पता, वस्तु का नाम, वस्तु की शुध्द मात्रा, माह व वर्ष एवं उपभोक्ता शिकायत करने के लिये व्यक्ति / कार्यालय का नाम, पता , टेलीफोन नंबर और ई-मेल पता के साथ - साथ विक्रय करना या काटकर / मिटाकर/ स्टीकर लगाकर बढाया गया हो। यदि उपरोक्त अनियमितता पायी जाये तो विभाग को शिकायत कर सकते है । दुकान संचालकों को निर्देशित किया है कि नियमानुसार आवश्यक घोषणाएँ वाले पैकेज वस्तुओं का ही विक्रय करें और मिठाई विक्रेता मिठाई की तौल के साथ डिब्बा का वजन सम्मिलित ना करें अन्यथा शिकायत प्राप्त होने पर कार्यवाही की जावेगी।

रजत ने तोड़ा सावी का दिल!

गुम है किसी के प्यार में में ट्रैक सावी, रजत और साई के आस-पास घूम रहा है। शो के लेटेस्ट प्रोमो में रजत का एक नया पहलू दिखाया गया, लेकिन उसके अपने ही कुछ कदम की वजह से चीजें बिगड़ जाती हैं। वो पहले गुजराती में बोलना शुरू करता है, लेकिन जैसे ही उसे एहसास होता है कि सावी को समझ में नहीं आ रहा, वो फौरन मराठी में बदल जाता है और मिठास भरे अंदाज में उसका शुक्रिया अदा करता है। लेकिन जब सावी मजाक में उसे चिढ़ाने लगती है और उसके इशारे की सच्चाई पर सवाल उठाती है, तो रजत का गुस्सा भड़क उठता है। वह उस पर चिल्ला देता है, जिससे सावी पूरी तरह से उदास और दिल टूटा हुआ महसूस करती है।

सिद्धांत ने किया राजस्थान में शादी करने का फैसला

शो शैतानी रस्में की कहानी का केंद्र भूरनगढ़ के शाही परिवार की नवविवाहित महिला के इर्द-गिर्द घूमती है जहाँ मालिक नामक एक शैतान उससे अजीबोगरीब रस्में कराता है, जिससे साजिश भरा एक तनावपूर्ण माहौल बन जाता है। इस खास मौके पर, निक्की और पीयूष की बेटी, , मालिक के पुनर्जन्म वीर (सिद्धार्थ इस्सर) से शादी करने जा रही है। !सिद्धांत ने कहा, यह मेरे लिए एक बेहद अनोखा अनुभव था! असल जिंदगी में अविवाहित होते हुए, स्क्रीन पर पहली बार शादी के मंडप में होना मेरे लिए एक सपने जैसा था, मुझे एक खूबसूरत, पारंपरिक राजस्थानी लुक दिया। मैंने हमेशा सोचा था कि मैं गोवा में एक डेस्टिनेशन वेडिंग करूंगा, लेकिन अब मैं पूरी तरह से राजस्थान की ओर आकर्षित हो गया हूं और मैंने अभी ठान लिया है कि अब मैं राजस्थान में शादी करूँगा।

ढाई आखर 22 नवंबर को होगी रिलीज

निर्देशक प्रवीन अरोड़ा की घरेलू हिंसा जैसे संवेदनशील विषय पर बनी ढाई आखर एक ऐसी ही फ़िल्म हैं जो एक महिला के अपनी पहचान खोजने की कोशिश में किये गए संघर्ष को बखूबी बयान करती है।पिछले साल इफ्फी गोवा में प्रतिष्ठित पैनोरमा सेक्शन में चयनित निर्देशक प्रवीन अरोड़ा की फ़िल्म ढाई आखर को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दर्शकों की बहुत पसंद किया गया । अब फ़िल्म देश के सिनेमागृहों में 22 नवम्बर को रिलीज होगी। फ़िल्म के रिलीज को अधिकारिक घोषणा सोशल मीडिया पर नए पोस्टर के लांच के साथ की गई ।

गेमिंग इंसान की रोमांचक यात्रा का ट्रेलर रिलीज

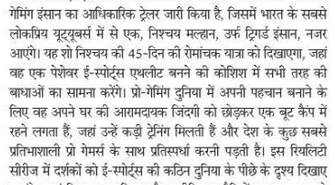

अमेज़न एमएक्स प्लेयर ने आज अपने आगामी गेमिंग रियलिटी सीरीज गेमिंग इंसान का आधिकारिक ट्रेलर जारी किया है, जिसमें भारत के सबसे लोकप्रिय यूट्यूबर्स में से एक, निश्चय मल्हान, उर्फ ट्रिगर्ड इंसान, नजर आएंगे। यह शो निश्चय की 45-दिन की रोमांचक यात्रा को दिखाएगा, जहां वह एक पेशेवर ई-स्पोर्ट्स एथलीट बनने की कोशिश में सभी तरह की बाधाओं का सामना करेंगे। प्रो-गेमिंग दुनिया में अपनी पहचान बनाने के लिए वह अपने घर की आरामदायक जिंदगी को छोड़कर एक बूट कैंप में रहने लगता हैं, जहां उन्हें कड़ी ट्रेनिंग मिलती हैं और देश के कुछ सबसे प्रतिभाशाली प्रो गेमर्स के साथ प्रतिस्पर्धा करनी पड़ती है। इस रियलिटी सीरीज में दर्शकों को ई-स्पोर्ट्स की कठिन दुनिया के पीछे के दृश्य दिखाए जाएंगे, जहां निश्चय मानसिक और शारीरिक चुनौतियों का सामना करते हुए यह साबित करने की कोशिश करेंगे कि उनमें प्रोफेशनल बनने की काबिलियत है।

निगेटिव लीड किरदार निभाने वाली हैं जयती

शो जाने अंजाने हम मिले की स्टार कास्ट में जुड़ने वाली नई अदाकारा जयती भाटिया हैं, जो शो में निगेटिव लीड किरदार निभाने वाली हैं। जयती शो में परिवार की सख्तमिजाज मुखिया शारदा सूर्यवंशी उर्फ़ बुआजी का किरदार निभाएंगी। सूर्यवंशी परिवार की मुखिया के रूप में, बुआजी का अनुशासन, उनकी चालें, और राघव के लिए उनका गहरा प्यार उन्हें शो का सबसे दिलचस्प किरदार बनाता है। हालांकि वो राघव की मां समान होने के नाते हमेशा एक भली महिला नजर आएंगी, लेकिन उनके इरादे कुछ और होंगे। परिवार को अपने तरीके से संभालने के उनके तौर-तरीके शो में मनोरंजन का तड़का लगाएंगे।जयती भाटिया ने कहा, मैं जाने अंजाने हम मिले का हिस्सा बनकर बेहद खुश हूं। बुआजी का किरदार अनोखा है। वो बाहर से सख्त नजर आती हैं, लेकिन अंदर बहुत-सी कमजोरियां भी हैं। वो हमेशा राघव के लिए मां समान नजर आएंगी, लेकिन उनके अपने छिपे हुए इरादे हैं, जो उन्हें एक निगेटिव किरदार बनाते हैं।

तारा ने की ताहा शाह की सराहना

शिष्टाचार और दोस्ती का दिल छू लेने वाला प्रदर्शन करते हुए, तारा सुतारिया ने हाल ही में ताहा शाह बदुशा के साथ एक प्यारा लम्हा अपने सोशल मीडिया पर साझा किया। उनके इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट किए गए वीडियो में ताहा को तारा की ड्रेस का ट्रेल पकड़ते हुए देखा जा सकता है ताकि वह मंच पर सहजता से चल सके। इस जोड़ी की केमिस्ट्री और आकर्षण साफ़ झलक रहा था, जिसने रैप पर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।तारा ने वीडियो को कैप्शन दिया, @tahashah, मेरी ड्रेस का ट्रेल इतनी प्यार से पकड़ रहे हैं! शिष्टाचार मरा नहीं है, जिससे ताहा के सज्जन व्यवहार को उजागर किया।

साई पल्लवी के बड़े फैन हैं मणिरत्नम

मशहूर फिल्म निर्देशक मणिरत्नम ने हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान खुलासा किया कि वह साउथ की मशहूर एक्ट्रेस साई पल्लवी के बड़े फैन हैं और उनके साथ काम करने का सपना रखते हैं। मणिरत्नम ने यह बयान फिल्म अमरन के प्री-रिलीज इवेंट के दौरान दिया, जिसमें शिवकार्तिकेयन भी मौजूद थे। उन्होंने साई पल्लवी की एक्टिंग और डांसिंग स्किल्स की सराहना करते हुए कहा, मैं साई का सच में बहुत बड़ा फैन हूं। मुझे उम्मीद है कि एक दिन मुझे उनके साथ काम करने का मौका मिलेगा। मणिरत्नम का यह बयान सुनकर साई पल्लवी ने भी अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि जब भी वह किसी किरदार का चयन करती हैं, तो मणिरत्नम का नाम उनके मन में आता है। साई पल्लवी ने कहा, आप मेरी प्रेरणा रहे हैं, फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखने से पहले भी मैंने मणिरत्नम का नाम सुना था।

मैच फिक्सिंग का ट्रेलर हुआ रिलीज!

फिल्म मैच फिक्सिंग: द नेशन एट स्टेक का ट्रेलर रिलीज हो गया है और इससे दर्शकों के बीच काफ़ी चर्चा बटोरी है। इस फिल्म में विनीत कुमार सिंह मुख्य भूमिका में हैं और इस पोलिटिकल थ्रिलर में उन्होंने एक अनूठी भूमिका निभाई है। वे अविनाश नाम के एक आर्मी ऑफिसर की भूमिका निभा रहे हैं और जैसे ही वे स्क्रीन पर नज़र आते हैं, उनका सीरियस और इंटेन्स अंदाज दर्शकों का दिल जीत लेता है। विनीत ने पहले अपनी एक फिल्म में इंडियन एयर फोर्स ऑफिसर का किरदार निभाया था और अब वे इस फिल्म में एक आर्मी ऑफिसर की भूमिका निभा रहे हैं। यह वास्तव में देश की सशस्त्र सेनाओं के प्रति उनके जज्बे और सम्मान को दर्शाता है और उन्होंने इस भूमिका को बखूबी निभाया है।

तारक मेहता की योजना में पड़ा खलल

तारक मेहता का उल्टा चश्मा के इस हफ्ते के एपिसोड में सख्त और मांग करने वाले तारक मेहता के बॉस कुछ दिनों के लिए दिल्ली जाने की योजना बनाते हैं, जिससे तारक को थोड़ी राहत मिलती है। अपने बॉस के शहर से बाहर होने पर, तारक इस स्थिति का फ़ायदा उठाते हुए दावा करता है कि बड़े गुरुजी, जो अपनी बुद्धिमत्ता और व्यावसायिक अंतर्दृष्टि के लिए पूजे जाते हैं, बॉस के दूर रहने के दौरान मुंबई में होंगे। नाटक में यह भी जोड़ा गया है कि बड़े गुरुजी कुछ ही समय बाद केन्या जाने वाले हैं, जिससे तारक को दोनों के बीच सीधी मुलाकात से बचने का ए बढ़िया बहाना मिल जाता है।बॉस दिल्ली के लिए निकल जाता है, और ऑफिस के कर्मचारी, एक अवसर को भांपते हुए, उसकी अनुपस्थिति में आराम करने के लिए आधे दिन की छुट्टी ले लेते हैं। लेकिन बॉस बिना बताए मुंबई लौटता है और बड़े गुरुजी से मिलने पर जोर देता है।

आलिया की मां और कंगना के बीच पोस्ट वॉर

आलिया भट्ट की मां सोनी राजदान ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने चुड़ैल शब्द का इस्तेमाल किया। कहा जा रहा है कि सोनी ने इस पोस्ट के जरिए कंगना रनोट के उस बयान पर तंज कसा, जिसमें कंगना ने विच यानी चुड़ैल की परिभाषा दी थी, जिसे सोशल मीडिया पर आलिया भट्ट से जोड़ा गया था। दरअसल, एक यूजर ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, चुड़ैलों से नहीं, उनसे डरिए, जिन्होंने उन्हें जलाया है। इस पर कंगना रनोट ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा था, चुड़ैलें ऐसी महिलाएं होती हैं, जिनका आत्म-सम्मान बहुत ऊंचा होता है। उनकी इंट्यूशन शक्ति तेज होती है, और वे स्वतंत्र विचारों वाली होती हैं। उनमें मजबूत इच्छाशक्ति होती है, और वे हर रुकावट को पार करने की जिद रखती हैं। ये गुण उन्हें रहस्यमय और शक्तिशाली बनाते हैं, खासकर उन लोगों के लिए जो सीमित हैं।

केबीसी के मंच पर जब तक बच्चन की फिल्म पिच

कौन बनेगा करोड़पति 16 खास रहने वाला है। शो के होस्ट अमिताभ बच्चन इस बार प्रशंसित फिल्म निर्देशक फराह खान और शानदार अभिनेता बोमन ईरानी का स्वागत करेंगे। फराह खान ने मजाक में कहा कि उन्होंने 2014 में रिलीज़ हुई हैप्पी न्यू ईयर के बाद से कोई फ़िल्म नहीं बनाई है क्योंकि वह सिर्फ़ और सिर्फ़ अमिताभ बच्चन के साथ काम करने के बारे में सोच रही थीं। उन्होंने बताया कि कैसे बोमन भी निर्देशक बन गए हैं। उन्होंने कहा, किसी भी निर्देशक का करियर ग्राफ़ तब तक नहीं बढ़ता जब तक उन्हें ब्लू टिक न मिल जाए, और ऐसा तभी होता है जब आप अमिताभ जी के साथ कोई फ़िल्म बनाते हैं। गंभीरता दिखाते हुए फराह खान और बोमन ईरानी ने अमिताभ बच्चन को एक अप्रत्याशित फिल्म ऑफर देकर चौंका दिया, और मज़ाकिया अंदाज़ में कहा, सर, हमारे पास आपके लिए एक फिल्म कॉन्ट्रैक्ट है! फराह ने अपने खास अंदाज में बताया कि फिल्म का नाम जब तक बच्चन है, और यह भी बताया कि क्योंकि जब तक सूरज चाँद रहेगा, बच्चन जी का नाम रहेगा!

वीरेन ने रची पुष्पा की मौत की साजिश

पुष्पा इम्पॉसिबल में पुष्पा, जुगल के साथ अपनी पटोला प्रदर्शनी के लिए कानपुर जाती है, जहाँ उसकी मुलाकात अपने पुराने प्रतिद्वंद्वी वीरेन से होती है। वीरेन अपने पुराने चाव को सहला रहा है और पुष्पा से बदला लेने का फैसला करता है। एक घातक योजना बनाते हुए, वीरेन पुष्पा से हमेशा के लिए छुटकारा पाने और उसकी जगह एक स्थानीय चाय बेचने वाली बसंती को रखने का फैसला करता है, जो पुष्पा की डुप्लीकेट होती है।वीरेन पुष्पा की कार में बम लगाने का फैसला करता है। वह इसे एक दुर्घटना जैसा दिखाना चाहता है। बम फट जाता है और पुष्पा की कार गड्ढे में गिर जाती है, दूसरी तरफ वीरेन बसंती को पुष्पा की पहचान लेने के लिए पैसा देता है।

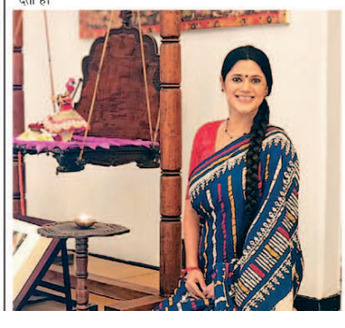

सनी देओल के जन्मदिन पर खास आयोजन

फिल्म जाट का सेट सनी देओल के जन्मदिन पर उत्साह से भर गया जब फिल्म का टाइटल और पहला लुक पोस्टर जारी किया गया। इस खास मौके पर सनी देओल के करीबी मशहूर निर्देशक राजकुमार संतोषी, अनिल शर्मा और अनुराग सिंह भी मौजूद थे और उन्होंने इस उत्सव में हिस्सा लिया।इवेंट में एक भव्य इंस्टॉलेशन के जरिए जाट के टाइटल का अनावरण किया गया।उत्साह को और बढ़ाते हुए, जाट में एक प्रभावशाली स्टार कास्ट भी है- रणदीप हुड्डा, विनीत कुमार सिंह, सैयामी खेर, और रेजिना कैसेंड्रा।

घर में शेर गली में कुत्ता

बड़ा शोर सुनते थे पहलू में दिल का
जो चीरा तो इक क़तरा-ए-ख़ूँ न निकला। हैदर अली आतिश का यह शेर गुनगुनाते हुए मस्तानी चाल में आकर बगल के सौफे पर धम से बैठ गया मंगू।
क्या राज?? है इस शेर शायरी का, किस?? पर? ये कटाक्ष?
घोटालों? में ?घिरे? वो? अपने मंत्री, बड़ी डींग? हांकते? थे अपनी ईमानदारी की , मंत्रिमंडल में खास जगह, पार्टी में रुतबा, इलाके में साख की, जवाब देते नहीं बन? रहा।
तुम गए थे मिलने
हां, पर भेंट नहीं हो सकी, खबर? है कि तीर्थ यात्रा पर गए? हैं, शायद? प्रायश्चित करने।
जुगाड़ में लगे होंगे किसी मातहत को बलि का बकरा बनाने की। कहीं तेरा तो नंबर नहीं लग रहा, पता कर, फिर आएगा रोते रोते, तू भी शेखी बघारने में कम नहीं घर के शेर की तरह।
मास्टरजी! जितनी भी राज्य सरकारें हैं, सभी कर्ज में गले तक डूबी हुई हैं। फिर भी रेवड़ी बांटने के बहाने अपना घर भरने में लगे हैं। पकड़ा जाये वह चोर! आपके आशीर्वाद से राजनीति में घुसकर देख लिया। जितने भी मठाधीश हैं, जो राज्य तो ठीक देश चलाने की, यहां तक की दुनिया चलाने की शेखी बघारने से नहीं चूकते। अंदरखाने की बात कुछ और यानी शेर की की खाल ओढ़े भेड़िए। गुरुजी मैंने खुद देखा है घर में बीवी के सामने अपने पद और पैसे की बड़ी शेखी बघारते हैं?, इलाके में लम्बी चौड़ी बातों से जनता को मूर्ख बनाने में माहिर, पर इलाके के बाहर कुत्ते जैसी दुम छूपाते हैं परंतु हड्डी चूसना नहीं छोड़ते। फिर आ जाते? हैं नोट वोट? लेकर।
ये तो रही शासन के नुमाइंदों की बात, क्या प्रशासन के आकाओं के घोटालों की राजनीति देखी है ?
मेरा मुंह मत खुलवाइए मास्टर जी! नहीं तो चोर चोर मौसेरे घर में शेर और गली में कुत्ते मुझे ही नोंचना शुरू कर देंगे।
मंगू सिंह पटेल, पटेल होकर दुम छिपाना ठीक नहीं, मौका है प्रजातंत्र के ईमानदार प्रहरी बनने का।
तो? सुनो? हर कुंए में भांग पड़ी है, जिसकी पीठ पर हाथ रखो वही मादा निकलेगा। योजनाएं कौन बनाता है मंत्रालय में एसी कमरों में बैठे हुए दिग्गज अधिकारी जो योजनाएं ही ऐसी बनाते हैं जिनमें बिना जोखिम के?? चुगने का रास्ता मिले। बाप बड़ा ना भैया सबसे बड़ा रुपैया के अनैतिक सिद्धांत का अक्षरशः पालन कर अधिकारी और कर्मचारी के कहे अनुसार मंत्री अपनी चिड़िया बिठा देते हैं।
कोई खबर लगी तुम्हें अपने मंत्री की।
हां ! मंत्रिमंडल में भ्रष्टाचारियों का कोकस है जो प्रधान पर दबाव बना रहा है, लेकिन बचने के चांस कम होने से सामूहिक इस्तीफे की चर्चा जोरों पर है जनता का ध्यान बांटने के लिए। इसमें सफलता मिलना भी लगभग तय है।
घोटालों की इस दुनियां में यह तो साफ हो गया कि जितने भी शासन प्रशासन के आका हैं , सभी घर में शेर गली में कुत्ते के मुहावरे की पुष्टि कर रहे हैं।
क्या होगा जनता का जनतंत्र का, राम ही जानें।

बच्चू लाल परमानंद दीक्षित
दबोहा भिंड मप्र

कटाक्ष

भाईचारा

भाईचारे का नारा
अब खोखला हो गया
जब से भाई ही भाई का
चारा खाने में खो गया

ना समझ

आदमी को कितना ही समझाओ
नहीं समझ पाता है
पैसों के खातिर बिक जाता है

कुछ गिद्ध

राजनीति में कुछ गिद्ध
पल रहे हैं
जो देश की बची हरियाली
को चर रहे हैं

आज का कृष्ण

श्री कृष्ण मक्खन खाया करते थे
खाकर गोपियों को
सताया करते थे
आज का कृष्ण
मक्खन नहीं खाता है
उसे तो केवल
मक्खन लगाना आता है

रमेश मनोहरा
शीतला माता गली जावरा (म.प्र.)
457226, जिला रतलाम
मो. 9479662215

भोपाल को मिलेगी एक और आरओबी की सौगात

मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने किया निशातपुरा कोच फैक्ट्री के पास प्रस्तावित आरओबी स्थल का निरीक्षण

भोपाल, राष्ट्रीय जनभावना।

सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने गुरुवार को नरेला विधानसभा अंतर्गत निशातपुरा कोच फैक्ट्री के पास प्रस्तावित रेलवे ओवर ब्रिज के निर्माण स्थल का निरीक्षण किया। मंत्री श्री सारंग ने रेलवे, पीडब्ल्यूडी और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आरओबी के प्लान की जानकारी लेकर निश्चित समयावधि में कार्य पूर्ण करने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। यह आरओबी भोपाल वासियों के लिये बड़ी सौगात होगा। इसके निर्माण से लगभग 15 लाख की आबादी को लाभ होगा।

देश के लिये इंजीनियरिंग का अनूठा उदाहरण होगा आरओबी

मंत्री श्री सारंग ने बताया कि यह आरओबी भोपाल स्टेशन प्लेटफॉर्म नंबर 1 के समीप द्वारिका नगर से होते हुए छोला स्थित श्री खेड़ापति हनुमान मंदिर के पास उतरेगा। इसकी लम्बाई लगभग 610 मीटर व 9.50 मीटर चौड़ाई होगी। उन्होंने बताया कि यह भोपाल का पहला आरओबी होगा जो 6 रेलवे ट्रैक को पार कर गुजरेगा। जो देश के लिये इंजीनियरिंग का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत करेगा।

90 करोड़ की लागत से होगा निर्माण

मंत्री श्री सारंग ने बताया कि लगभग 90 करोड़ की लागत से इस आरओबी का निर्माण किया जाएगा। रेलवे इसका निर्माण करेगा। प्रथम चरण में शासन द्वारा लगभग 72 करोड़ रुपये की राशि रेलवे को दी गयी है। शीघ्र ही इसका भूमिपूजन कर कार्य प्रारंभ किया जायेगा। यह ब्रिज 18 माह में बनकर तैयार हो जायेगा।

15 किलोमीटर का लंबा चक्कर लगाने से मिलेगी निजात

मंत्री श्री सारंग ने बताया कि अभी भोपाल प्लेटफॉर्म 1 से छोला की ओर जाने के लिये छोटी गाड़ियों को पुलिया से होकर गुजरना पड़ता है, वहीं बड़ी गाड़ियों को स्टेशन प्लेटफॉर्म 1 से छोला की ओर जाने के लिये भारत टॉकीज आरओबी से लंबा चक्कर लगाना पड़ता है। इस आरओबी के निर्माण से 15 किलोमीटर का लंबा चक्कर नहीं लगाना होगा। साथ ही ट्रैफिक की समस्या से भी क्षेत्र वासियों को निजात मिलेगी।

नये भोपाल, विदिशा, बैरसिया की कनेक्टिविटी सुधरेगी

मंत्री श्री सारंग ने बताया कि यह भोपालवासियों के लिये बड़ी सौगात होगी। इसके निर्माण से पुराने व नये भोपाल के साथ विदिशा, बैरसिया समेत आसपास के क्षेत्रों से रोड कनेक्टिविटी सुदृढ़ होगी।इससे क्षेत्र वासियों का आवागमन भी सुगम होगा।

भोपाल स्टेशन से एयरपोर्ट तक की दूरी होगी कम

मंत्री श्री सारंग ने कहा कि भोपाल स्टेशन से एयरपोर्ट जाने वाले यात्रियों को अभी पुराने भोपाल के ट्रैफिक से होकर गुजरना पड़ता है। जिसमें काफी समय लगता है। वहीं इस आरओबी के बन जाने से यात्री कम समय में भोपाल स्टेशन प्लेटफार्म नंबर एक से सीधे आरओबी से छोला की ओर होते हुए करोंद मार्ग से सीधे एयपोर्ट पहुंच सकेंगे।

निशातपुरा स्टेशन से यात्रा करने वालों को मिलेगा लाभ

मंत्री श्री सारंग ने बताया कि कई ट्रेनें बैरागढ़ से सीधे निशातपुरा होते हुए निकलती हैं। अभी यात्रियों को सही कनेक्टिविटी ना होने के कारण अपनी ट्रेन पकड़ने के लिये बैरागढ़ जाना पड़ता है। वहीं आरओबी के बन जाने से यात्री बैरागढ़ ना जाते हुए सीधे निशातपुरा स्टेशन से ही अपनी ट्रेन पकड़ सकेंगे।

अपने मिस्ड कॉल सदस्यता अभियान...

अपराधी नहीं बन गया सदस्य

ये देखने बीजेपी ने शुरु की सदस्यों की स्क्रूटनी

भोपाल । 2 सितंबर से 15 अक्टूबर 2024 तक चले बीजेपी के सदस्यता अभियान के बाद अब सक्रिय सदस्यता शुरू हो गई है। 31 तक चलने वाले सक्रिय सदस्यता के फॉर्म में बीजेपी यह स्व घोषणा लिखवा रही है कि सक्रिय सदस्य बनने वाले कार्यकर्ता पर कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं है।

बीजेपी ने सभी जिलों में प्राथमिक सदस्यता की दो कैटेगरी में स्क्रूटनी शुरु कर दी है। इस स्क्रूटनी में देखा जा रहा है कि मिस्ड कॉल के द्वारा सदस्य बने लोगों में कोई आपराधिक छवि वाला का व्यक्ति सदस्य नहीं बन गया है। स्क्रूटनी में यह भी देखा जा रहा है कि बीजेपी के जो कार्यकर्ता अनुशासन हीनता,

चुनाव में भितरघात, बयानबाजी के कारण पार्टी से निष्कासित हैं। सभी जिलों से इसतरह के मेंबर्स की छंटनी की जा रही है। इन दोनों टाइप के लोगों की सदस्यता खत्म की जाएगी।

बीजेपी के सदस्यता अभियान के दौरान जो लोग सदस्य बने हैं। उसमें से किसी आपराधिक छवि के व्यक्ति और निष्कासित नेता के सदस्य बनने की सूचना या शिकायत स्थानीय स्तर पर संगठन को मिली है। तब उस सदस्य के नाम और मोबाइल नंबर से सदस्यता के डेटा में सर्च होगा। इस प्रकार के जो भी लोग सदस्य बने हैं उनके सदस्यता नंबर और डिटेल को सर्च करके मेंबरशिप टर्मिनेट की जाएगी।

सक्रिय सदस्यता के बाद बूथ समितियां होगी गठित

31 अक्टूबर को सक्रिय सदस्यता का अभियान पूरा होने के बाद नवंबर महीने के पहले पखवाड़े में प्रदेश के 64871 बूथों पर बूथ समितियों का गठन किया जाएगा। बूथ समितियों के गठन के बाद बाद मंडल अध्यक्षों का चुनाव होगा। वहीं जिला अध्यक्ष और फिर प्रदेश अध्यक्ष का निर्वाचन कराया जाएगा। जिला अध्यक्ष के चुनाव के साथ ही एक प्रदेश प्रतिनिधि हर जिले से नॉमिनेट किया जाएगा, जो प्रदेश अध्यक्ष के चुनाव में हिस्सा लेगा।

बीजेपी छोड़ शिंदे की शिवसेना में शामिल हुए नीलेश राणे

मुंबई (एजेंसी)। यह घटनाक्रम तब सामने आया है जब राणे के पिता ने चुनावों से पहले अपने बेटे को शिंदे की शिवसेना में शामिल कराने के लिए अथक प्रयास किए थे। उन्होंने नीलेश के लिए टिकट पर चर्चा करने के लिए रविवार को शिंदे से उनके आधिकारिक आवास पर मुलाकात की। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री नारायण राणे के बेटे नीलेश राणे महत्वपूर्ण राज्य विधानसभा चुनाव 2024 से पहले एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना में शामिल हो गए। यह घटनाक्रम तब सामने आया है जब राणे के पिता ने चुनावों से पहले अपने बेटे को शिंदे की शिवसेना में शामिल कराने के लिए अथक प्रयास किए थे। उन्होंने नीलेश के लिए टिकट पर चर्चा करने के लिए रविवार को शिंदे से उनके आधिकारिक आवास पर मुलाकात की। सूत्रों ने बताया कि उन्होंने सीएम से अपने बेटे को कुडाल विधानसभा क्षेत्र से टिकट देने का आग्रह किया है।

मथुरा में मोहन-योगी मुलाकात से सियासत गर्माई

महाकुंभ और उपचुनाव को लेकर हुई चर्चा

नई दिल्ली,(एजेंसी)। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत की मथुरा में मुलाकात राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गई है। इस मुलाकात को औपचारिक रूप से महाकुंभ में भाग लेने का निमंत्रण देने के रूप में देखा जा रहा है।

सूत्रों के मुताबिक इस मुलाकात में यूपी की सियासत और आगामी उपचुनावों को लेकर भी महत्वपूर्ण बातचीत हुई। सीएम योगी के लिए नौ विधानसभा सीटों के उपचुनाव उनकी प्रतिष्ठा का प्रश्न बने हुए हैं। इन उपचुनावों को सीएम योगी की लोकप्रियता और उनकी सरकार के कामकाज का लिटमस टेस्ट माना जा रहा है। उपचुनाव के दौरान संघ से जुड़े स्वयंसेवकों की सक्रिय भागीदारी तय करने पर भी बातचीत हुई। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने हरियाणा के झलिया विधानसभा चुनावों का उदाहरण देते हुए सीएम योगी को आश्वस्त किया कि यूपी में भी संघ और बीजेपी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सहयोग करेगा। सूत्रों के मुताबिक इस बैठक में बीजेपी और संघ के बीच समन्वय पर भी गहन चर्चा हुई। 2024 के आम चुनाव से पहले संघ और बीजेपी के संबंधों में आई खटास को दूर करने की दिशा में यह बैठक अहम है। हरियाणा में बीजेपी की लगातार तीसरी जीत के पीछे संघ की सक्रियता को महत्वपूर्ण कारण माना गया था, और उसी तर्ज पर यूपी उपचुनाव में भी संघ की भूमिका को लेकर चर्चा हुई। इस बैठक के जरिए यह संदेश दिया जा रहा है कि संघ और योगी के बीच तालमेल मजबूत है, और आगामी चुनावों में दोनों मिलकर काम करेंगे।

कौन बनेगा मप्र का नया डीजीपी

सरकार ने यूपीएससी को भेजा 9 नामों का पैनल

भोपाल । मध्य प्रदेश सरकार ने नए पुलिस महानिदेशक की नियुक्ति को लेकर कवायद तेज कर दी है। शासन ने यूपीएससी को नौ नामों का पैनल भेजा है। 30 नवंबर को वर्तमान डीजीपी सुधीर कुमार सक्सेना सेवानिवृत्त हो रहे हैं। इसलिए शासन का लक्ष्य है कि इससे पहले ही नए अफसर का चयन किया जाए। जिन नौ अधिकारियों के नाम यूपीएससी को भेजे गए हैं, वे सभी 30 से अधिक साल प्रशासनिक सेवा कर चुके हैं।

इन अधिकारियों का भेजा गया नाम

डीजी होमगार्ड अरविंद कुमार, पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन के अध्यक्ष कैलाश चंद्र मकवाना, डीजी ईओडब्ल्यू अजय कुमार शर्मा, डीजी जेल जीपी सिंह, स्पेशल डीजी आरएपीटीसी इंदौर वरुण कपूर, पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन के एमडी उपेंद्र कुमार जैन, स्पेशल डीजी प्रोविजन आलोक रंजन, स्पेशल डीजी महिला सेल प्रज्ञा ऋचा श्रीवास्तव और स्पेशल डीजी योगेश मुद्गल।

कांग्रेस प्रत्याशी की जान को खतरा

एसपी से लगाई सुरक्षा की गुहार

भोपाल । प्रदेश में उपचुनाव से पहले सियासी बवाल जारी है। इस बीच कांग्रेस ने विजयपुर सीट से अपने प्रत्याशी मुकेश मल्होत्रा की जान का खतरा बताया है। पार्टी को आशंका है कि विरोधी पक्ष कुछ गलत करवा सकती है।

इसी के चलते उन्होंने एसपी से सुरक्षा की गुहार लगाई है। दरअसल, श्योपुर जिला अध्यक्ष अतुल चौहान ने एसपी के नाम एक पत्र लिखा है, जिसमें उन्होंने कहा है कि विजयपुर विधानसभा क्षेत्र में विरोधी पक्ष पहले भी भय का माहौल बना चुका है। पहले के चुनावों में डकैतों और बदमाशों का भी सहयोग किया जाता रहा है।

जिससे भय का वातावरण रहता है और उम्मीदवार की जान का खतरा रहता है। इसलिए हमारे उम्मीदवार मुकेश मल्होत्रा को सुरक्षा उपलब्ध करवाई जाए। कांग्रेस की मांग पर एसपी ने कहा कि किसी से डरने की जरूरत नहीं है। गौरतलब है कि भाजपा ने विजयपुर सीट से जहां वन मंत्री रामनिवास रावत को उम्मीदवार बनाया है। वहीं, कांग्रेस ने सामान्य सीट पर आदिवासी कार्ड खेलकर मुकेश मल्होत्रा पर भरोसा जताया है।

13 नवंबर को होंगे चुनाव

विजयपुर विधानसभा सीट पर 13 नवंबर को उपचुनाव होने हैं। उम्मीदवारों की नामांकन की अंतिम तिथि 25 अक्टूबर शुक्रवार निर्धारित है। 28 अक्टूबर तक नामांकन पत्रों की संवीक्षा की जाएगी और नाम वापस लेने की अंतिम तिथि 30 अक्टूबर तक है।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वत्वाधारी एवं प्रधान संपादक सुनील वर्मा के लिए डीबी कार्प प्रॉ.लि. प्रेस, 44-46/ए, सेक्टर - एफ , इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड, इन्दौर से मुद्रित तथा 1/4, परदेशीपुरा, इन्दौर (म.प्र.) सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा। * मो.: 9425491979, E-mail: janbhavana.ind@gmail.com